राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 03 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–11 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट से हेमंत सोरेन को झटका

याचिका पर सुनवाई से इनकार; कहा- पहले हाईकोर्ट जाना चाहिए

● झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने गुरुवार को सोरेन की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित की थी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई से शुक्रवार को इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोरेन से पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते? सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह मामला एक मुख्यमंत्री से संबंधित है, जिसे गिरफ्तार किया गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतें सभी के लिए खुली हैं और उच्च न्यायालय संवैधानिक अदालतें हैं। आपको हाईकोर्ट जाना चाहिए।

याचिका में क्या कहा गया?

हेमंत सोरेन ने अपनी याचिका में ईडी पर लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार की सुनियोजित साजिश के तहत उन्हें गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट्स की मानेंतो सोरेन ने याचिका में शीर्ष अदालत से ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को अनुचित, मनमाना और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करार देने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है कि ईडी अधिकारियों ने केंद्र सरकार के निर्देश पर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, क्योंकि याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन की पार्टी जेएमएम विपक्षी गठबंधन इंडिया का सक्रिय घटक है। सोरेन की गिरफ्तारी सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है। 48 वर्षीय सोरेन ने कहा कि उन्होंने ईडी द्वारा

अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए 31 जनवरी को शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर की थी। अनुरोध किया गया था कि ईडी को सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने तक इंतजार करना चाहिए। इसके बावजूद ईडी ने उन्हें अवैध तरीके से हिरासत में ले लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी की कार्रवाई का उद्देश्य उनकी चुनी हुई सरकार को गिराना था, जबकि उनके पास पर्याप्त बहुमम है।

सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था

इससे पहले ईडी ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सात घंटे की पूछताछ के बाद झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले सोरेन को ईडी की हिरासत में राज्यपाल से मिलकर सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

ईडी का दावा- रांची में सोरेन के पास 8.5 एकड़ भूखंड

इस बीच ईडी ने विशेष अदालत को बताया कि सोरेन के पास रांची में एक दूसरे से सटे 12 भूखंड हैं जिनका माप कुल 8.5 एकड़ है। इन पर सोरेन का अवैध कब्जा है और वह उनका उपयोग करते हैं और उन्होंने यह जानकारी छिपा कर भी रखी थी। एजेंसी ने कहा कि ये भूखंड मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपराध की आय है। राज्य सरकार के कर्मचारी और राजस्व विभाग में सब इंस्पेक्टर भानू प्रताप प्रसाद के खिलाफ राज्य के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी में संपत्तियों के दस्तावेज मिले थे। इससे पता चला कि प्रसाद अन्य लोगों के साथ मिलकर संपत्तियों को अवैध रूप से हासिल करने की साजिश में शामिल था, इसमें हेमंत सोरेन द्वारा हासिल की गई संपत्तियां भी शामिल हैं। प्रसाद के मोबाइल फोन में भी इसके विवरण मिले थे।

विशेषज्ञ समिति ने मसौदा रिपोर्ट सौंपने से पहले सीएम धामी से की मुलाकात

आज कैबिनेट बैठक में होगी चर्चा

देहरादून। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री धामी ने समिति का तीन बार कार्यकाल बढ़ाया। और आज वो दिन आ गया जब समिति करीब ढाई लाख सुझावों और 30 बैठकों में रायशुमारी के बाद तैयार हुआ ड्राफ्ट सीएम धामी को सौंपेगी। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। कल कैबिनेट बैठक में यूसीसी ड्राफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद इसे 6 फरवरी को विधानसभा में पेश किए जाने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट को सौंपे जाने के साथ ही उत्तराखंड देश में सबसे पहले यूसीसी लागू करने वाला राज्य बनने के लिए एक और अहम कदम बढ़ा देगा। ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपने के लिए विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष जस्टिस (सेनि) रंजना प्रकाश देसाई और उनकी टीम मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन पहुंची।

यूसीसी को लेकर सुझाव आमंत्रित किए

2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने यूसीसी लागू करने के लिए जस्टिस देसाई की अध्यक्षता में समिति बनाई थी। ड्राफ्ट तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री ने समिति का तीन बार कार्यकाल बढ़ाया। इस दौरान समिति ने ऑनलाइन और ऑफलाइन आधार पर जनता से यूसीसी को लेकर सुझाव आमंत्रित किए।

विशेषज्ञ समिति ने उप समिति बनाकर उन्हें समाज के विशिष्ट लोगों, समाजसेवियों, धार्मिक नेताओं, संतों और जागरूक नागरिकों के साथ चर्चा की और सुझाव लिए। समिति ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरान किया और वहां खुली बैठकें में लोगों से सुझाव लिए। इस तरह समिति को करीब ढाई लाख सुझाव प्राप्त हुए। करीब तीस अलग-अलग बैठकों में उसे कई महत्वपूर्ण सुझाव मिले। समिति ने केंद्रीय विधि आयोग के साथ भी यूसीसी पर चर्चा की। इस मैराथन कवायद के बाद समिति ने अपना ड्राफ्ट तैयार किया।

अब आगे क्या

विशेषज्ञ समिति शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। तीन फरवरी को प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में सरकार यूसीसी की ड्राफ्ट रिपोर्ट पर चर्चा करेगी और विधेयक को मंजूरी देगी।

नौसेना में आज शामिल किया जाएगा अब तक का सबसे बड़ा 'सर्वेक्षण पोत संध्याक'

समुद्र में सेना के लिए क्या होगा इसका महत्व ?

नई दिल्ली। सर्वेक्षण पोत संध्याक शनिवार को भारतीय नौसेना में शामिल होगा। इससे रणनीतिक जलमार्गों पर नौसेना का निगरानी तंत्र को और मजबूती मिलेगी। विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर मौजूद रहेंगे।

सर्वेक्षण के लिए बनाए जा रहे चार सर्वेक्षण पोत में से है एक

संध्याक को चार दिसंबर को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। यह गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता में बनाए जा रहे चार सर्वेक्षण पोत में से पहला पोत है। यह पोत बंदरगाह तक पहुंचने वाले मार्गों का सर्वेक्षण करने, सुरक्षित नौवहन मार्गों का निर्धारण करने के साथ कई प्रकार के नौसैनिक अभियानों में भी शामिल होगा।

18 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त करने में है सक्षम

दो डीजल इंजनों द्वारा संचालित यह पोत 18 समुद्री मील से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम है। 110 मीटर लंबा, 3400 टन वजनी और 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित यह पोत आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने में भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता का प्रमाण है। यह अमृत काल के अनुरूप विकसित भारत का अग्रदूत भी है।

ईडी के सामने इस बार भी पेश नहीं होंगे केजरीवाल, आप ने एजेंसी के समन को बताया राजनीति से प्रेरित

ईडी ने पांचवां समन जारी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया है। केजरीवाल के आबकारी घोटाला मामले में आज भी पेश नहीं होंगे है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के सूत्रों ने कहा है कि उनके एजेंसी के सामने पेश होने की संभावना नहीं है क्योंकि यह समन अवैध और राजनीति से प्रेरित है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी घोटाला मामले में पांचवें समन पर भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। ईडी ने उन्हें शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस बारे में आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कानून के अनुसार जो भी करने की जरूरत होगी, वही किया जाएगा।

AAP ने ईडी के समन को बताया अवैध

वैसे आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के सूत्रों ने कहा है कि उनके एजेंसी के सामने पेश होने की संभावना नहीं है, क्योंकि यह समन अवैध और राजनीति से प्रेरित है। पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी का लक्ष्य अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना और दिल्ली सरकार

को गिराना है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे।

चार समन पर भी नहीं हुए पेश

बता दें कि केजरीवाल ने इससे पहले दो नवंबर और 21 दिसंबर, तीन जनवरी और 18 जनवरी के चार समन पर ईडी के सामने पेश होने से इंकार कर दिया था और समन को 'अवैध' और 'राजनीति से प्रेरित' बताया था।केजरीवाल ने ईडी की कार्रवाई के पीछे के मकसद पर भी सवाल उठाया था।

आबकारी घोटाले मामले में ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र में केजरीवाल के नाम का कई बार उल्लेख किया गया है।एजेंसी ने कहा है कि आरोपी अब खत्म हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 की तैयारी के संबंध में उसके संपर्क में थे।

ईडी ने अपनी चार्जशीट में दावा किया था कि आप ने अपने गोवा चुनाव अभियान में लगभग 45 करोड़ रुपये की अपराध की आय का इस्तेमाल किया था।उधर आम आदमी पार्टी आबकारी घोटाले को फर्जी करार देती रही है।आप का आरोप है कि इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को फर्जी तरीके से जेल में डाला हुआ है।

एक साल में भी कुछ साबित न हो तो वापस लौटाओ जब्त की प्रॉपटी

ईडी को हाई कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ चल रही जांच में एक साल के बाद भी कोई आरोप साबित नहीं हो पाता है तो फिर ईडी को उसकी जब्त की गई संपत्ति लौटानी होगी। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने यह बात कही। अदालत ने कहा कि यदि 365 दिनों की जांच के बाद भी कुछ साबित नहीं होता है तो फिर संपत्ति को सीज करने की अवधि लैप्स हो जाती है। फिर उस संपत्ति को संबंधित शख्स को लौटाना होगा। अदालत ने महेंद्र कुमार खंडेलवाल बनाम ईडी के मामले में सुनवाई करते हुए यह बात कही है।

कहीं बारिश तो कहीं घना कोहरा, अगले 5 दिनों तक कैसा रहेगा देश के मौसम का हाल

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तरी राजस्थान के साथ-साथ सिक्किम के कई हिस्सों में कल न्यूनतम तापमान 9-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। देश के उत्तरी हिस्सों में ये सामान्य से अधिक रहा। बिहार के मोतिहारी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के लिए जो पूर्वानुमान लगाया है उसके मुताबिक, जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 3 से पांच फरवरी के बीच मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश हो सकती है। इसी दौरान पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के

मुताबिक, इन इलाकों में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है। 3 और 4 फरवरी को राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में भी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले पांच दिनों तक असम, मेघालय, सिक्किम, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में छिटपुट वर्षा होगी।

घने कोहरे और ठंड की भी चेतावनी

पंजाब, हरियाणा के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। वहीं, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी 2 फरवरी को घने कोहरे की संभावना है। आज ही के दिन उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले दो दिनों के दौरान बिहार में अलग-अलग हिस्सों में सुबह कुछ घंटों के लिए घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

वहीं, मौसम विभाग ने जो राहत की खबर दी है वह यह है कि देश भर में कहीं भी शीतलहर में कमी आने की प्रबल संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है। अगले 24 घंटों के दौरान मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। उसके बाद कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा। अगले 5 दिनों के दौरान देश के किसी भी हिस्से में शीत लहर की संभावना नहीं है।

ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाना में पूजा से मुसलमान नाराज, वाराणसी में कारोबार बंद रखने का ऐलान

वाराणसी। ज्ञानवापी के दक्षिणी हिस्से में स्थित व्यासजी के तहखाने में कोर्ट के आदेश पर पूजा से मुस्लिम समाज में आक्रोश है। इसे लेकर मुस्लिम समाज की तरफ से जुमा यानी शुक्रवार को वाराणसी बंद का ऐलान कर दिया गया है। इस दौरान सभी मस्जिदों में दुआखानी भी होगी। ज्ञानवापी मस्जिद के इमाम और मुफ्ती-ए-बनारस अब्दुल बातिन नोमानी के कहा कि अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए मुस्लिम समाज शुक्रवार को अपना कारोबार बंद रखेंगे। यह बंदी पूरी तरह शांतिपूर्ण होगी। बातिन ने वहां पूजा का अधिकार मांगने वाले व्यासजी के परिवार के दावे पर भी सवाल उठाया। बातिन ने कहा कि 1993 से पहले वहां पूजा-पाठ होने की बातें गलत है। बातिन ने

इसके साथ ही लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

अंजुमन इंतिज़ामिया मसाजिद के महासचिव एवं जामे मस्जिद ज्ञानवापी के इमाम बातिन ने कहा कि जामे मस्जिद ज्ञानवापी बनारस के दक्षिणी तहखाने में हिंदू फ़रीक़ को पूजा पाठ की अनुमति से मुसलमानों में काफी नाराज़गी है। इस फैसले के विरोध में मुसलमान कल जुमा के दिन शांतिपूर्ण रूप से अपना कारोबार बंद रखकर जुमा की नमाज़ से असर की नमाज़ तक दुआख़ानी करेंगे।

बातिन ने कहा कि मुस्लिम समाज को व्यास परिवार के दावे पर भी घोर आपत्ति है। जिसमें हिन्दू पक्ष और मीडिया द्वारा यह बात फैलाई गई है कि सन् 1993 तक मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में पूजा पाठ होती चली आई है। कहा कि यह दावा

● ज्ञानवापी मस्जिद के इमाम और मुफ्ती-ए-बनारस अब्दुल बातिन नोमानी के कहा कि अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए मुस्लिम समाज शुक्रवार को अपना कारोबार बंद रखेंगे। यह बंदी पूरी तरह शांतिपूर्ण होगी। बातिन ने वहां पूजा का अधिकार मांगने वाले व्यासजी के परिवार के दावे पर भी सवाल उठाया।

सरासर बेबुनियाद और ग़लत है। वहां कभी कोई पूजा पाठ नहीं हुई।

गौरतलब है कि बुधवार को वाराणसी की जिला जज की अदालत ने ज्ञानवापी के दक्षिणी हिस्से में स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा की इजाजत दे दी थी। इसके बाद रात में ही डीएम ने यहां व्यवस्था बनाई और भोर में पूजा भी हो गई। गुरुवार की शाम से आम लोगों का दर्शन भी यहां शुरू हो गया है।

बातिन का कहना है कि ज़िला जज के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में अर्ज़ी दाख़िल की है। मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने सभी से शहर में अमन व शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि वह मस्जिदों में दुआख़ानी करें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और बिलावजा इधर-उधर ना जाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विश्वास का प्रदर्शन

नरेंद्र मोदी सरकार के दसवें वर्ष का अंतिम व अंतरिम बजट पूरी तरह से आश्वस्त और भविष्योन्मुखी बजट है। यह कदापि चुनावी बजट नहीं है, क्योंकि दो महीने में देश में चुनाव होने जा रहे हैं, पर सरकार में किसी भी तरह की बेचैनी नहीं है। साफ लगता है कि नरेंद्र मोदी सरकार अपनी वापसी के लिए आश्वस्त है। चूंकि यह अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती पर फोकस करता हुआ बजट है, इसलिए किसी भी प्रकार की नई तात्कालिक लोकलुभावन घोषणा से इसे बचाया गया है। लोकलुभावन घोषणा के रूप में केवल सूर्योदय योजना है, जिसकी घोषणा पहले ही हो चुकी है, जिसके तहत देश के एक करोड़ घरों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना है। ये ऐसे घर होंगे, जिनकी छतों पर सौर ऊर्जा के लिए संयंत्र स्थापित होंगे। न कॉरपोरेट कर में कोई परिवर्तन हुआ है और न आयकर में किसी तरह की राहत दी गई है। अब वेतनभोगियों को चुनाव बाद आम बजट से ही उम्मीद रखनी चाहिए। बजट में नारी, युवा, किसान और गरीब पर विशेष नजर है और इसके सियासी मूल्य को सहज ही समझा जा सकता है। बहरहाल, संसद में अच्छे माहौल में बजट का पेश होना भी स्वागतयोग्य है। इस अंतरिम बजट 2023-24 को हम 'गुड रिपोर्ट कार्ड बजट' भी कह सकते हैं, क्योंकि एक घंटे से भी कम समय के अपने बजट भाषण का अधिकतर हिस्सा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नरेंद्र मोदी सरकार की दस साल की उपलब्धियों की व्यवस्थित प्रस्तुति पर खर्च किया। चूंकि विकास दर संतोषजनक है, लगभग 7 प्रतिशत की विकास दर देश हासिल कर सकता है। सरकार का वित्तीय घाटा 5.9 के अनुमान से कम 5.8 रहा है और सरकार वित्त वर्ष 2025 में इसे 5.1 प्रतिशत करने के प्रति आश्वस्त है। कोई संदेह नहीं है कि यह सरकार के आत्मविश्वास से सराबोर बजट है। वित्तीय घाटे को एकदम से कम किया भी नहीं जा सकता, क्योंकि सरकार को विकास की रफ्तार बनाए रखने के साथ जनकल्याण के कार्यों-योजनाओं को भी चलाए रखना है। वाकई, देश का तेज विकास और जरूरतमंदों की मदद करना ज्यादा जरूरी है और वित्तीय घाटे की ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार के समय में उच्च शिक्षा में महिलाओं का प्रवेश बढ़ा है और 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल आए हैं। लोगों की आय में 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। साफ तौर पर केंद्र सरकार का फोकस आर्थिक न्याय पर है, अगर इसे सुनिश्चित किया जाए, तो सामाजिक न्याय में भी सहूलियत होगी। नरेंद्र मोदी सरकार के समय में विदेशी पूंजी निवेश भी खूब आया है। करीब 596 अरब डॉलर का विदेशी पूंजी निवेश 2014 से 2023 के बीच आया है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि सरकार को एहसास है, विदेशी पूंजी निवेश का पूरा लाभ देश को नहीं हुआ है, इसलिए सरकार एफडीआई की नई परिभाषा गढ़ रही है। 'फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट' को अगर 'फर्स्ट डेवलप इंडिया' की ओर मोड़ दिया जाए, तो कमाल हो सकता है। सरकार ने युवाओं के कौशल विकास की दिशा में काफी काम किए हैं और अब लघु व मध्यम कंपनियों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि उत्पादन के साथ ही निर्यात में भी वृद्धि हो। कहने की बात नहीं कि बुनियादी ढांचे में सरकार का निवेश सराहनीय है और सरकार इसे जीडीपी का 3.4 प्रतिशत रखे हुए है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

इस्राइल में कामगार भेजने के जोखिम

वप्पला बालाचंद्रन

ऐसी खबरें आई हैं कि राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और राज्य रोजगार विभाग ने इस्राइल भेजने के लिए भारतीय कामगारों की भर्ती की है। कहा गया है कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से संबंधित लगभग 550 प्रत्याशियों का पंजीकरण किया है। जैसा कि हालिया 'डंकी रूट' फिल्म में भी दिखाया गया है, लोगबाग 40-50 लाख रुपये चुकाकर अवैध दलालों के जरिए विदेश जाते हैं। लेकिन इन युवकों ने उनका रुख करने की बजाय यह सरकारी विकल्प चुना है। जहां विदेशों में रोजगार प्राप्ति के लिए सरकारी राह को तरजीह देने की बात कही जा रही है वहीं चिंतातुर सूचना है कि गंतव्य स्थान पर आप्रवासी कामगारों के हित सुनिश्चित करने के लिए जो कायदे-कानून और अनिवार्य आप्रवासन प्रक्रिया बनी है, इन चयनित युवाओं को उससे नहीं गुजरना होगा। खबरें यह भी बताती हैं कि इनके सिर पर बीमा एवं मेडिकल कवरेज और अन्य गारंटियों जैसा सुरक्षा तंत्र भी नहीं होगा, जबकि विदेश जाकर रोजगार करने वालों के लिए सरकार ने इन्हें अनिवार्य बना रखा है। बताया जा रहा है कि कुछ श्रमिक यूनियनें इस्राइल वाले मामले पर आक्रोशित हैं और न्यायालय से राहत पाने का इरादा रखती हैं। अगर यह सब सच है, तो इस योजना पर अमल न करने की सलाह है। विदेशी मुद्रा भंडार में हमारे श्रमिकों का योगदान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मुकाबले हमेशा अधिक रहा है। वर्ष 2023 में विदेशी मुद्रा की मुख्य आमद भारतीय आप्रवासी कामगारों द्वारा भेजा पैसा है और इस बार रिकार्ड 125 बिलियन डॉलर आए। जबकि इसी कालखंड में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश केवल 70.9 बिलियन डॉलर रहा। यहां हमें जून, 2014 का मोसूल कांड याद रखने की भी जरूरत है। उस वक्त, दुर्दांत 'इस्लामिक स्टेट' आतंकी संगठन ने इराक के दूसरे सबसे बड़े शहर मोसूल को कब्जा लिया था और लगभग 40 आप्रवासी भारतीय कामगार लापता हो गए थे। लंबे समय तक सरकार तीसरे पक्ष के जरिए इनकी खोज करती रही और प्राप्त संकेतों के आधार पर मान लिया कि वे सुरक्षित होंगे। सामान्यत- महज खुफिया सूत्रों के जरिए पाई जानकारी के आधार पर सरकार द्वारा संसद में कोई निश्चित बयान देना बनता नहीं। हमारी सरकार अपने रुख पर तब भी कायम रही जब अगवा किए 40 श्रमिकों में एक हरजीत मसीह ने दावा किया शेष 39 सहयोगियों को आईएस ने मार डाला है। मसीह किसी तरह उनकी चंगुल से भाग निकला और भारत पहुंचा था। मार्च, 2018 में जाकर सरकार ने स्वीकार किया कि वे मारे जा चुके हैं और मोसूल के उत्तर-पश्चिम में स्थित बादोश में उनकी सामूहिक क्रब मिली है, उनकी शिनाख्त की तस्दीक डीएनए टेस्ट से हुई। आगे चलकर मिली जानकारी के आधार पर कड़ी जुड़ी कि पहले बंदियों को एक कपड़ा उद्योग के परिसर में कैद रखा गया था। मसीह के भाग निकलने के बाद, उन्हें बादोश जेल भेज दिया था। इराकी प्रशासन की मदद से की गई छानबीन बादोश की सामूहिक कब्र ले गई, शव खोद निकालने के बाद पुष्टि हुई कि उनके शारीरिक एवं अन्य चिन्ह स्थानीयों से भिन्न हैं जैसे कि लंबे बाल, गैर-इराकी जूते और पहचान पत्र इत्यादि। उनके अवशेषों को डीएनए टेस्ट के लिए बगदाद भेजा गया। इसके बाद ही हमारी सरकार ने संसद में उनकी मौत की बात स्वीकारी थी। साल 1916 में, चीन में जनरल युआन शिकाई के नेतृत्व वाली बेइयांग सरकार ने प्रथम विश्व युद्ध में लगभग 1 लाख 40 हजार चीनी कामगार बतौर 'स्वयंसेवक' यूरोप भेजकर इसी किस्म की गलती थी। शिकाई ने 1912 में आखिरी गद्दीनशीन बाल-सम्राट पुई को अगवा कर लिए जाने के बाद राजसत्ता संभाली थी। उसकी महत्वाकांक्षा खुद राज करने की थी और सुन यात-सेन के नेतृत्व में क्रांतिकारियों से दरपेश खतरे से निजात पाने के लिए वह ब्रिटेन और फ्रांस की सहायता चाहता था। इस मंतव्य की पूर्ति के लिए, गुप्त संपर्कों के जरिए चली वार्ता में, उसने युद्ध में चीनी सैनिकों को भेजने की पेशकश के साथ उन मुल्कों का समर्थन पाना चाहा। उसकी मंशा जर्मनी से शानडोंग पुनः छीनने की थी, जिसे उसने 1898 से जबदस्ती से कब्जा रखा था। इस तरह युद्ध उपरांत वह अपने साम्राज्य का विस्तार और बड़ी ताकतों के खेमे में होने की हसरत रखता था। हालांकि ब्रिटेन ने उसकी सीधी सैन्य पेशकश को खारिज कर दिया क्योंकि यह उसके अपने साम्राज्यवादी हितों के विरुद्ध जाती थी। जैसा कि साउथ चाईना मॉर्निंग पोस्ट के एक लेख में हांगकांग यूनिवर्सिटी के इतिहासकार शू गुओकी को उद्धृत करते हुए बताया गया है 'तब यह होने पर भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को बल मिलता, क्योंकि ठीक इसी प्रकार की मांगें स्वाधीनता सेनानी ब्रितानी हुकूमत से करने लगते।' हालांकि, ब्रिटेन को लड़ाकू चीनी दस्तों से इतर 'स्वयंसेवक' पाने से परहेज़ नहीं था। स्मिथसॉनियन मैग्ज़ीन (2017 अंक) में लॉरेन बॉइशोनिउल के लेख में इसकी तफ्सील दी गई है। वह बताती हैं कि प्रथम विश्व युद्ध में गैर-यूरोपियन कार्यबलों में सबसे बड़ी गिनती चीनी 'स्वयंसेवकों' की थी। उन्हें खंदके खोदने या बारूदी सुरंगें बिछाने जैसे काम काम दे रखे थे। चूंकि चीन ने आधिकारिक तौर पर महायुद्ध में खुद को निष्पक्ष बता रखा था, इसलिए ब्रिटेन, फ्रांस और रूस को 'स्वयंसेवी श्रमबल' भेजने के लिए व्यापारिक कंपनियां बनाने की आड़ ली गई। सबसे बड़ी कंपनी तियानजिन की हुईमिन थी। इस अर्ध-सरकारी प्रतिष्ठान की स्थापना मई, 1916 में की गई और इसका संबंध राष्ट्रपति युआन शिकाई के नज़दीकी और काबीना मंत्री लियांग शीयई से था। हुईमिन ने चीनी कामगारों से भरे लगभग 25 जलपोत भेजे थे, जिनका काम टैंकों की मरम्मत, साम्रगी जोड़कर बम बनाना, सैन्य आपूर्ति और गोला-बारूद पहुंचाना था और इस तरह लड़ाई का नक्शा बदलने में सहायक रहे। इन मजदूरों में अधिकांश प्रशांत महासागर और कनाडा वाले जलमार्ग से होकर यूरोप पहुंचे थे। इन्हें ले जा रहे जहाजों में एक, फ्रांसीसी जलपोत 'एथोस' पर 900 चीनी श्रमिक सवार थे, का जर्मन की यू-बोट ने निशाना बनाया और 543 चीनी मारे गए। इस घटना के बाद, 14 अगस्त, 1917 के दिन चीन ने आधिकारिक रूप से जर्मनी के विरुद्ध युद्ध का ऐलान कर दिया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मारे गए कुल चीनियों की सटीक संख्या विवादित है। जहां यूरोपियन अनुमानों में यह गिनती 2,000 है वहीं चीनी सूत्रों का मानना है कि गोलीबारी, बारूदी सुरंगों और स्पैनिश फ्लू से मरने वाले चीनियों की संख्या लगभग 20000 होगी। बताया जाता है कि फ्रांस स्थित नॉल्ले-सुर-मेर कब्रिस्तान में 838 चीनियों की कब्रें हैं। दक्षिण एशिया मॉर्निंग पोस्ट द्वारा बनाई मल्टी-मीडिया प्रस्तुति में दिखाया गया है कि चीनियों ने खंदके खोदी, नॉर्मेंडी में टैंकों की मरम्मत की और डनकर्क तक युद्धक सामग्री पहुंचाई। ब्रिटिश फौज के साथ मिलकर काम करते हुए वे इराक के बसरा तक गए। यह प्रस्तुति दिखाती है कि दक्षिण इराक के बसरा की क्रबों में सैकड़ों चीनी श्रमिकों के अवशेष हैं, जो ओट्टोमन साम्राज्य के विरुद्ध युद्ध में ब्रिटिश सेना के लिए जल-आपूर्ति करते मारे गए थे।

संयुक्त राष्ट्र के संगठन कहते आए हैं कि 7 अक्तूबर, 2023 के दिन हमास द्वारा किए हमले और गाज़ा पर इस्राइल की जवाबी बमबारी और सैन्य चढ़ाई के बाद से इस्राइल-पश्चिमी तट-गाजा क्षेत्र एवं संघर्षशील इलाके से सटा जलक्षेत्र खतरनाक बन चुका है, लेबनान स्थित हिज़बुल्ला और यमन के हूतियों की दखलअंदाज़ी से इसमें और वृद्धि हुई है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत, हज़ारों भारतीय श्रमिकों को उस इलाके में भेजना बहुत खतरनाक है क्योंकि वे भी भी हमास या हिज़बुल्ला का निशाना बन सकते हैं।

लेखक मंत्रिमंडल सचिवालय में विशेष सचिव रहे हैं और व्यक्त विचार निजी हैं।

धूमिल होते विपक्षी एकता के प्रयास

नीतीश का पाला बदल/ केएस तोमर

कट्टर समाजवादी नेता कहे जाने वाले नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के गठबंधन को अलविदा कहकर एक बार फिर एनडीए का दामन थाम लिया है। दरअसल भाजपा को बहुत आवश्यकता थी कि नीतीश कुमार का जनता दल उसके साथ आये क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को बिहार में इसी दशा में अधिक सीटें मिल सकती थीं। विश्लेषकों का मत है कि यह जरूरी था कि भाजपा और जनता दल एक मंच पर आएं क्योंकि 2019 में इकट्ठा होकर लोकसभा चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद से दोनों दलों का मत प्रतिशत कम हो गया था। तब भाजपा और जनता दल ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इन दलों को क्रमशः 23.58 और 21.81 प्रतिशत मत मिले थे जो 2020 के विधानसभा चुनावों के समय घटकर 19.46 और 15.39 प्रतिशत रह गए थे। शायद यही प्रमुख कारण था कि दोनों दलों ने प्रासंगिक रहने और सत्ता मे फिर लौटने के लिए यह समझौता किया है। आकलन है कि नीतीश कुमार द्वारा इंडिया गठबंधन से अलग होने से बिहार की राजनीति पर गम्भीर परिणाम सामने आयेंगे। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा, जनता दल (यू) और एलजेपी का गठबंधन मजबूत है। जहां भाजपा और जनता दल का वोट शेयर 45.39 प्रतिशत बनता है, वहीं एलजेपी के 8 प्रतिशत मतों से यह 53.39 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाता है। इसके मुकाबले वाले विपक्षी गठबंधन में आरजेडी के 23.11 और कांग्रेस के 9.48 प्रतिशत मतों को मिलाएं तो वह जीत से बहुत दूर हो जाता है। इसका असर इंडिया गठबंधन पर पड़ना तय है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 17 सीटों पर और जनता दल ने 17 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके अलावा गठबंधन के तीसरे दल एलजेपी ने 6 सीटें जीती थीं। इस तरह गठबंधन ने बिहार की 40 में से 39 सीटों पर परचम लहराया था। इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला था। हालांकि मौजूदा हालात में नीतीश कुमार को भी लाभ मिलना तय है। नए गठबंधन के कारण 2025 के विधानसभा चुनाव जीत का मार्ग प्रशस्त होगा। माना जाता है कि गठबंधन में लालू परिवार के कारण नीतीश स्वयं को असहज महसूस कर रहे थे। लालू परिवार के विरुद्ध ईडी की कई मामलों में जांच चल रही है और भ्रष्टाचार के आरोपों की आंच नीतीश कुमार तक भी पहुंच सकती थी। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की स्थिति में ऐसी सम्भावनाएं थीं। नये समझौते के बाद नीतीश कुमार पर ईडी का खतरा टल गया माना जा रहा है। नीतीश के पाला बदलने के साथ ख़बरें ये भी थीं कि जनता दल के 6 सांसद भाजपा के संपर्क में थे और 2024 के लोकसभा चुनावों से ऐन पहले उनका साथ छोड़ सकते हैं। कहा जा रहा था कि राम मन्दिर निर्माण के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में हुई बढ़ोतरी के कारण इन सांसदों की जीत संशय में थी। वहीं जनता दल के सांसदों का मानना था कि विधानसभा चुनावों में मतदान के लिए मतदाताओं का नजरिया अलग होता है। वर्ष 2024 में फ़िर एनडीए मजबूत स्थिति में होगी जबकि इंडिया गठबंधन की स्थिति इतनी सुखद नहीं है क्योंकि ये दल अभी सीटों को लेकर भी तालमेल नहीं कर पाए और न ही प्रधानमंत्री के नाम पर सहमति है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस ही एकमात्र दल है जिसकी समूचे भारत में मौजूदगी है। ऐसे में कांग्रेस की ही जिम्मेदारी थी कि गठबंधन को मजबूती प्रदान करती और सीटों का बंटवारा समय रहते फाइनल हो जाता। कांग्रेस इस दायित्व को निभाने में असफल रही है। एक ओर जहां नीतीश कुमार गठबंधन का साथ छोड़ गए, वहीं अब तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी अपना अलग रास्ता ढूंढ़ रहे हैं। सभी जानते हैं कि इंडिया गठबंधन को मूर्तरूप देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले एक साल के दौरान कड़ी मेहनत की और क्षेत्रीय नेताओं से बार-बार मिलकर उन्हें एक मंच पर लाये।

उनके प्रयासों के कारण ही पटना मे आयोजित 23 जून, 2023 की पहली बैठक सफल रही। लेकिन सब तय होने के बाद जब संयोजक चुनने का समय आया तो ममता बनर्जी ने खड़गे का नाम पेश कर दिया और केजरीवाल ने इसका समर्थन किया। नीतीश को रोकने की उनकी रणनीति सफल भी रही बेशक यह निर्णय गठबंधन के लिए 2024 के चुनावों में घातक सिद्ध हो। यद्यपि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के वर्तमान हाल के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

अंदरखाने यह चर्चा भी है कि स्थिति बिगाड़ने में आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी की भूमिका भी रही है। उनके कारण बिहार में परिस्थितियां बदलीं उसका असर इंडिया गठबंधन पर पड़ना स्वाभाविक था। पिता-पुत्र की जोड़ी जल्द से जल्द बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर राजद का वर्चस्व चाहते थे। बताते हैं कि तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता दल(यू) में तोड़फोड़ की कोशिश शुरू कर दी गई थी। इससे नाराज नीतीश कुमार ने भाजपा से समझौता पक्का कर लिया।

विचार मंथन

चुनाव प्रक्रिया को लेकर भारतीय जनमानस में संदेह चिंताजनक

(लेखक-सनत जैन)

भारत में चुनाव प्रक्रिया को लेकर आम जनमानस के बीच अब संदेह उत्पन्न होने लगा है। इस संदेह के पुख्ता कारण भी हैं। दिल्ली नगर पालिका निगम के चुनाव हुए थे इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला था आम आदमी पार्टी का महापौर चुनाव जाना था लेकिन दिल्ली में जिस तरह से महापौर के चुनाव में उपराज्यपाल द्वारा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप करते हुए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की उसे सारे देश ने देखा। दिल्ली देश की राजधानी है यहां जो भी होता है उसका प्रभाव सारे देश में पड़ता है। हाल ही में चंडीगढ़ के मेयर का चुनाव होना था। इस चुनाव में भी जो हुआ उसको लेकर आम मतदाताओं के बीच में चुनाव प्रक्रिया को लेकर संदेह उत्पन्न हो गया है। चंडीगढ़ नगर परिषद में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के 20 सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल के पास 16 सदस्य हैं। महापौर पद के चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की जो नियुक्त की गई वह भाजपा का पदाधिकारी था, जब चुनाव जीतने की संभावना नहीं दिखी तो उसने बीमारी का बहाना बनाकर चुनाव को टाल दिया। मामला हाईकोर्ट में गया। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से चुनाव की तारीख तय हुई। महापौर पद के चुनाव के लिए एक बार फिर भाजपा के ही एक पदाधिकारी को पीठासीन अधिकारी बना दिया गया। महापौर पद के लिए मतदान हुआ और पीठासीन अधिकारी ने 8 वोट निरस्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी के महापौर को जिता दिया। वीडियो के सामने पीठासीन अधिकारी ने उम्मीदवार के नाम के सामने डबल मार्किंग करके मत पत्र अवैध घोषित कर दिए। अब यह मामला फिर हाईकोर्ट में चला गया। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा ईवीएम और वीवीपेट मशीन का उपयोग लोकसभा, विधानसभा, और नगरीय संस्थाओं के चुनाव में किया जा रहा है। इन मशीनों की निष्पक्षता को लेकर पिछले कई वर्षों से सवाल उठाए जा रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर लगातार संदेह उत्पन्न किया जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग की नियुक्ति में पक्षपात किया जा रहा है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश की कमेटी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेगी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को बदल दिया। सरकार ने जो नया कानून बनाया है उसके बाद चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष केंद्रीय चुनाव आयोग के आयुक्त का चयन करेंगे। इसके बाद संदेह और भी गहरा गया। सुप्रीम कोर्ट के वकीलों द्वारा वैलेट पेपर से चुनाव कराये जाने की मांग शुरू की थी। हाल ही में पांच राज्यों के जो विधानसभा चुनाव हुए थे उसमें केंद्रीय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली तथा ईवीएम मशीनों को लेकर मतदान की जो आंकड़े दिए गए थे, उसमें विरोधाभास होने के कारण वैलेट से चुनाव कराने की मांग की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकीलों का यह कहना है कि जब सारी दुनिया के विकसित देशों में जिन्होंने ईवीएम मशीन का आविष्कार किया था उनके यहां पर भी वैलिड पेपर से ही चुनाव होता है, अतः भारत में भी चुनाव इसी माध्यम से होना चाहिए। केंद्रीय चुनाव आयोग ने जब यह मांग ठुकरा दी उसके बाद टेक्नोक्रेट द्वारा डमी ईवीएम मशीन और वीवीपेट मशीन तैयार कर डेमो दिया गया, जिसमें यह बताया गया कि प्रोग्रामिंग के जरिए कैसे रिजल्ट को बदला जा सकता है। सैकड़ों स्थान पर इसका प्रदर्शन किया गया। जंतर-मंतर में धरना-प्रदर्शन हुआ। सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका लंबित है। इसी बीच सूचना अधिकार कानून एवं भारतीय इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड जो ईवीएम मशीन बनाती है इसकी वेबसाइट में चार स्वतंत्र निदेशक भाजपा के चार पदाधिकारी पाए गए। इसको लेकर संदेह और भी गहरा गया है। किसी पार्टी विशेष के पदाधिकारी कैसे ईवीएम मशीन और वीवीपेट सप्लाई करने वाले और प्रोग्रामिंग करने वाले हो सकते हैं। देश में पहली बार चुनाव को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका संदेहास्पद हुई है। जिस तरह से केंद्र सरकार की ताकत बढ़ी है। केंद्रीय चुनाव आयोग विपक्षी दलों पर तो तुरंत कार्रवाई करता है लेकिन सत्तारूढ़ दल के बारे में बेखबर होकर रहता है। विभिन्न हिस्सों में डेमो मशीनों के द्वारा जिस तरह से मतदान में हो रही गड़बड़ी को उजागर किया जा रहा है, उसके बाद अब यह संदेह बुरी तरह गहरा गया है। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि दिल्ली और चंडीगढ़ जैसी नगरीय संस्थानों में हुई पराजय को भाजपा स्वीकार नहीं कर पा रही है।

ऐसी स्थिति में लोकसभा के चुनाव में क्या करेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। निर्वाचन आयोग में नियुक्तियां, इलेक्ट्रॉल बांड तथा ईवीएम मशीन को लेकर जिस तरह का संदेह और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर जो गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं, इनका यदि तुरंत निराकरण नहीं हुआ तो इसके गंभीर परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

नई दिल्ली । पड़ोसी देश पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट के बीच, ऋण पुनर्भुगतान के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट जारी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का सिलसिला जारी है और 26 जनवरी को यह 8.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो पिछले सप्ताह की 8.27 अरब डॉलर की तुलना में 5.4 करोड़ डॉलर कम है। पाकिस्तान के वाणिज्यिक बैंकों के भंडार के साथ देश का कुल तरल विदेशी मुद्रा भंडार 13.26 बिलियन अमरीकी डॉलर है, देश के वाणिज्यिक बैंकों के पास 5.04 बिलियन अमरीकी डॉलर का भंडार है। हालांकि, पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अपने तीन अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम के तहत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 70.56 करोड़ डॉलर की हालिया किश्त के सकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कही है। आरिफ हबीब लिमिटेड के सीईओ शाहिद अली हबीब ने सोशल मीडिया पर बताया कि उच्च आरक्षित स्तर ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तान के रुपये को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जून 2024 तक पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए आईएमएफ का 9.1 बिलियन अमरीकी डॉलर का संशोधन निरंतर क्रमिक विकास के संकेत देता है। एक समाचार पत्र की खबर के मुताबिक पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 8.27 अरब डॉलर रह गया था। मुद्रा भंडार कम रहने और मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के कारण आईएमएफ सौदे में और देरी की आशंका के कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 276 पाकिस्तानी रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री बढ़कर 4,33,598 इकाई पहुंची

मुंबई । दोपहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प की वाहन बिक्री जनवरी में 22 प्रतिशत बढ़कर 4,33,598 इकाई हो गई। पिछले साल जनवरी में कंपनी की वाहन बिक्री 3,56,690 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर जनवरी में 4,20,934 इकाई रही, जो पिछले साल समान महीने में 3,49,437 इकाई थी। हीरो मोटोकॉर्प दुनिया की सबसे बड़ी टू-व्हीलर कंपनी है। यह कई वैश्विक बाजार में अपने वाहनों का निर्यात करती है। अगर सिर्फ घरेलू बाजार में बिक्री की बात करें तो हीरो मोटोकॉर्प ने बताया कि उसकी घरेलू बिक्री 20 फीसदी बढ़ी है।

देश 2027 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल कर लेगा: आईएमएफ प्रमुख

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि भारत की आर्थिक सफलता पिछले वर्षों में किए गए सुधारों पर आधारित है और विश्वास जताया कि देश 2027 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा। जॉर्जीवा ने मी डिया से कहा कि भारत का विश्व अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान रहा है और यह अब भी जारी है। हम 2024 में भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर रहे हैं। 2023 में मजबूत प्रदर्शन के कारण ऐसा किया जा रहा है। भारत की सफलता पिछले वर्षों में किए सुधारों पर आधारित है। जॉर्जीवा ने कहा कि भारत को डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, डिजिटल आईडी और डिजिटल को देश की एक मजबूत ताकत बनाने से सबसे अधिक फायदा मिला है। इससे छोटे उद्यमी बाजारों में प्रवेश कर पाते हैं जैसा कि वे पहले नहीं कर पाते थे। आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत मानता है कि नवाचार ही भविष्य में प्रतिस्पर्धात्मकता को आगे बढ़ाएगा, अनुसंधान एवं विकास में बहुत प्रभावी तथा कुशल निवेश जैसा कि हमने चंद्रमा पर उतरना, यह भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत नींव रखता है। भारत को उसकी आजादी के 100 साल पूरे होने यानी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर किए सवाल पर उन्होंने कहा कि इसे काफी हद तक हासिल किया जा सकता है।

सरकारों को रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत, मुफ्तखोरी पर नहीं: रघुराम राजन

जयपुर ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने कहा` कि सरकारों को युवाओं के लिए अधिक नौकरियों के अवसर कैसे ` मिलें इस पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, न कि केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए मुफ्त सुविधाओं पर। उन्‍होंने कहा कि सुचारू विकास पथ सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा पर जोर देना सर्वोपरि है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में राजन ने कहा कि सरकार को विकेंद्रीकरण के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि इसका लाभ दिल्ली, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय और अन्य केंद्रीय एजेंसियों द्वारा हाल के मामले अलोकतांत्रिक हैं, क्योंकि` विपक्ष से नेताओं को चुनते समय नागरिकों के पास बहुत कम विकल्प बचे हैं। अर्थशास्त्री रोहित लांबा के साथ ब्रेकिंग द मोल्ड~ रीइमेजिनिंग इंडियाज इकोनॉमिक फ्यूचर लिखने वाले राजन ने कहा ` कि लोकतंत्र और मुक्त भाषण उन क्षेत्रों के विकास के लिए सर्वोपरि हैं जिन्हें अनुसंधान रचनात्मकता और नए विचारों की आवश्यकता है। इस बात पर जोर देते हुए कि पुस्तक को हर कोई आसानी से समझ सकता है, अर्थशास्त्री ने कहो ` कि हमें चीन की तरह अन्य देशों की विकास कहानी का अनुसरण नहीं करना है, बल्कि अपना रास्ता बनाना है, अपनी ताकत को पहचानना और उन पर निर्माण करना महत्वपूर्ण है। क्रिप्टोकरेंसी के बारे में राजन ने कहा कि यह एक तकनीक है, हालांकि कुछ पैसा लगाना ठीक हो सकता है, जिससे अगर नुकसान हो, तो सहा जा सके, लेकिन अपनी जीवन भर की बचत को दांव पर लगाना एक बुरा विचार है। यह समझने की ज़रूरत है कि क्रिप्टो को विनियमित नहीं किया जा रहा है, और कई ऑपरेटरों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

टीवीएस वाहन की बिक्री जनवरी में 23 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । टीवीएस मोटर की वाहन बिक्री जनवरी में 23 प्रतिशत बढ़कर 339,513 इकाई रही है। कंपनी की वाहन बिक्री पिछले साल जनवरी में कुल 2,75,115 इकाई रही थी। कंपनी ने बयान में कहा कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जनवरी, 2023 में बिक्री 2,64,710 इकाइयों से बढ़कर जनवरी, 2024 में 329,937 इकाई हो गई। इनमें से पिछले महीने घरेलू बिक्री 24 प्रतिशत उछाल के साथ 2,68,233 इकाई रही है। दोपहिया खंड में मोटरसाइकिल की बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 1,55,611 इकाई रही, जो जनवरी, 2023 में 1,21,042 इकाई थी। स्कूटर खंड में बिक्री जनवरी में 24 प्रतिशत बढ़कर 1,32,290 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 1,06,537 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि जनवरी में उसके इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री साल-दर-साल 34 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,276 इकाई रही है।

पेटीएम ऐप 29 फरवरी के बाद भी काम करता रहेगा: सीईओ

नई दिल्ली । वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कहा डिजिटल भुगतान एवं सेवा ऐप पेटीएम काम कर रहा है और 29 फरवरी के बाद भी यह पहले की तरह ही काम करता रहेगा। ओसीएल के संस्थापक एवं सीईओ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कंपनी पूर्ण अनुपालन के साथ देश की सेवा करने को प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि पेटीएम उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए आपका पसंदीदा ऐप काम कर रहा है और 29 फरवरी के बाद भी इसी तरह काम करता रहेगा। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है लेकिन वह इसे अपनी सहयोगी के रूप में वर्गीकृत करता है, अनुषंगी कंपनी के रूप में नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप–अप स्वीकार न करने का निर्देश दिया था। इसके बाद से कंपनी के शेयर में लगातार गिरावट आ रही है। शर्मा ने कहा कि मैं पेटीएम दल के प्रत्येक सदस्य के साथ आपके निरंतर समर्थन के लिए आपको सलाम करता हूं। हर चुनौती का समाधान होता है और हम पूर्ण अनुपालन के साथ ईमानदारी से देश की सेवा करने को प्रतिबद्ध हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 440 अंक, निफ्टी 156 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछला दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आयी है। वहीं गत दिवस अंतरिम बजट के बाद बाजार गिरा था जबकि आज इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी देखी गई। आज के कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स एक समय 1,400 अंक से अधिक ऊपर आ गया था पर अंत में सेंसेक्स ने तकरीबन आधी बढ़त गंवा दी। दी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 440.33 अंक करीब 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ 72,085.63 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,948.77 और 73,089.40 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 156.35 अंक 0.72 फीसदी की बढ़त लेकर अंत में 21,853.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,805.55 और 22,126.80 के बीच कारोबार हुआ। इस दौरान 21,854 अंक पर बंद होने से पहले यह 22,127 अंक की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था। वहीं व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.8 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी रही। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार में रौनक आई। आईटी, वित्तीय और रिलायंस इंडस्ट्रीज में मजबूत बढ़त देखी गई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स भी लाभ पर कारोबार करते नजर आये।

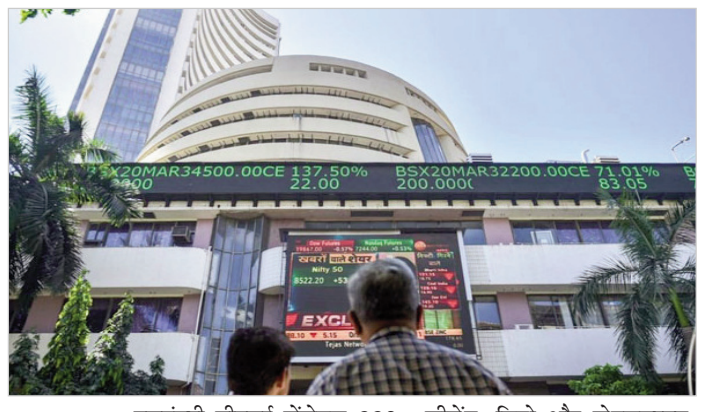

एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 332 अंक ऊपर खुला और जल्द ही 72,000 अंक को पार कर 800 अंक ऊपर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 50 को 21,900 के स्तर से ऊपर कारोबार करता देखा गया। रिलायंस, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड 2 फीसदी की बढ़त के साथ ऊपर आया। टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और जेएसडब्ल्यू स्टील को भी काफी लाभ हुआ। व्यापक बाजार में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.6 फीसदी ऊपर था, जबकि स्मॉलकैप में 0.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी बाजार मजबूत लाभ के साथ बंद हुए। डाउ जोंस में 1 फीसदी की तेजी आई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक 1.3 फीसदी तक चढ़े।

बजट आर्थिक विकास को दिशा देगा, इसका सभी क्षेत्रों पर असर होगा: इस्पात कंपनियां

नई दिल्ली ।

इस्पात जगत से जुड़ी कंपनियों को अंतरिम बजट से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने और इस्पात, बुनियादी ढांचे, रेलवे तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अपना छठा बजट पेश किया जिसमें उन्होंने सौर और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों के लिए अन्य प्रस्तावों के अलावा बुनियादी ढांचे पर 11.11 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि केंद्रीय बजट ने कई दूरदर्शी पहलों का प्रस्ताव दिया है जो हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप हैं। इनसे आर्थिक वृद्धि, लोगों के उत्थान और इस्पात, बुनियादी ढांचे, रेलवे तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को समर्थन मिलने की संभावना है। एएमएनएस इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अंतरिम बजट राजकोषीय विवेक पर केंद्रित है और एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह इस बात का अच्छा संकेत है कि आम चुनाव के बाद जुलाई में बजट में क्या आएगा। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे कुल परिव्यय 11.1 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे घरेलू इस्पात की मांग मजबूत होगी, निजी निवेश बढ़ेगा तथा रोजगार सृजन होगा। टाटा स्टील के अधिकारी ने कहा कि अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता की परिकल्पना एक उत्साहजनक कदम है जो युवाओं की आकांक्षाओं को बढ़ावा देगा। बजट में

अनुसंधान और विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये के कोष का भी प्रावधान` किया गया है। विशाखापत्तम स्थित आरआईएनएल के एक अधिकारी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान देने से वास्तव में भारतीय इस्पात क्षेत्र को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिलेगा।

मारुति सुजुकी ने जनवरी में बेचे दो लाख वाहन

मुंबई । देश की अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की जनवरी में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 15.54 प्रतिशत बढ़कर 1,99,364 इकाई हो गई। यह मारुति का सर्वाधिक मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड है। कंपनी ने जनवरी, 2023 में 1,72,535 वाहनों की बिक्री की थी। एमएसआई लिमिटेड ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में कंपनी के वाहनों की घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,70,214 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,51,367 इकाई थी। एमएसआई ने पिछले महीने 23,921 वाहनों का निर्यात भी किया कंपनी ने कहा कि जनवरी में यात्री वाहन खंड में घरेलू बाजार में उसने 1,66,802 वाहनों की बिक्री की। यह जनवरी, 2023 के 1,47,348 वाहनों की तुलना में 13.20 प्रतिशत अधिक है।

पूर्वोत्तर में रेलवे बुनियादी ढांचा विकास के लिए 10,369 करोड़ आवंटित

नई दिल्ली ।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वित्तवर्ष 2024-25 के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सकल बजटीय आवंटन 10,369 करोड़ रुपये है। दिल्ली से वर्चुअल तौर पर पूर्वोत्तर के मीडिया से बातचीत करते हुए वैष्णव ने कहा कि 2009-14 के दौरान 2,122 करोड़ रुपये के औसत बजट आवंटन की तुलना में 10,369 करोड़ रुपये 388 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के 60 स्टेशनों को विशे वस्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यरत एक स्टेशन, एक उत्पाद स्टॉल स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं के लिए प्रत्यक्ष बिक्री बाजार प्रदान कर रहे हैं, जिन्हें यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 81,941 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। पूर्वोत्तर में चल रही सभी परियोजनाओं की भौतिक प्रगति अच्छी गति से आगे बढ़ रही है। हिमालयी क्षेत्र में होने और कठिन इलाकों से गुजरने के बावजूद परियोजना कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए काम किया जा रहा है। वैष्णव ने कहा कि बजट में देशभर में भारतीय रेलवे के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत परिव्यय प्रदान किया गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अपने बजट भाषण में की गई घोषणा के अनुसार तीन

प्रमुख रेलवे कॉरिडोर कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। ये हैं ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारा; पोर्ट-कनेक्टिविटी कॉरिडोर; और उच्च यातायात घनत्व गलियारा। वे रसद दक्षता में सुधार करेंगे और परिवहन लागत को कम करेंगे, जिससे यात्री ट्रेनों की सुरक्षा में भी सुधार होगा।

सरकार मध्यम आय वर्ग की मदद करने योजना शुरू करेगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री ने कहा कि विभिन्न चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लागू किए जाने से तीन करोड़ मकानों के करीब का लक्ष्य हासिल हो गया है। अगले पांच वर्षों में दो करोड़ अन्य मकानों का लक्ष्य है। सरकार मध्यम आय के लोगों की मदद करने के लिए योजना शुरू करेगी। यह योजना किराए के घरों या झुग्गी-बस्ती या चालों या अवैध कालोनी के लोगों के लिए शुरू की गई है ताकि वे अपना मकान बना सकें या खरीद सकें। इससे अवैध कब्जे वाला क्षेत्र मुक्त होगा और ऐसे क्षेत्रों का पुनर्विकास करना आसान होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि मेट्रो रेल और नमो भारत से परिवहन विशेष तौर पर सार्वजनिक परिवहन उन्मुख विकास को बढ़ावा मिलेगा और इससे शहरों में परिवर्तन तेजी से होगा। 2024-25 के अंतरिम बजट में आवासीय सुविधा के साथ महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया गया। इसके तहत पीएम आवास योजना के जरिये महिलाओं का सशक्तीकरण होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 70 से अधिक मकान महिलों को एकल या संयुक्त स्वामित्व के तहत

दिए गए गए हैं। इससे उनका स्वाभिमान बढ़ा है।

यूपी में महंगा हुआ पेट्रोल, बिहार में गिर गए दाम

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.70 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड एक बार फिर 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। इस बीच शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी की, जिसमें यूपी के शहरों में बड़ा उछाल दिख रहा है। बिहार में भी तेल के दाम गिरे हैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के नोएडा में पेट्रोल 8 पैसे चढ़कर 97.00 रुपये लीटर बिक रहा है। यहां डीजल भी 6 पैसे महंगा होकर 90.14 रुपये लीटर हो गया है। गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 30 पैसे चढ़कर 89.75 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे गिरकर 107.24 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 32 पैसे सस्ता होकर 94.04 रुपये के भाव बिक रहा है। कच्चे तेल में नरमी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.70 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई भी टूटकर 74.20 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अंतरिम बजट के बाद सोने और चांदी में गिरावट

सोना 62,900 और चांदी लगभग 72,150 रुपए

नई दिल्ली ।

अंतरिम बजट के दूसरे दिन शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। शुक्रवार को चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, सोने के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर ही खुले। गुरुवार को दोनों के भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ थी। लेकिन कारोबार के अंत में दोनों के भाव तेजी के साथ बंद हुए। इस समय सोने के वायदा भाव 62,900 रुपये और चांदी के 72,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 62,965 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 75 रुपये की गिरावट के साथ 62.890 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 60 रुपये की गिरावट के साथ 72,158 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 72,158 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,072 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,071.10 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,071.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.28 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.23 डॉलर था। फिलहाल यह मामूली तेजी के साथ 23.24 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत-इंग्लैंड दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारतीय टीम ने बनाये 336/6

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम (ईएमएस)। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक से भारतीय टीम ने आज यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 336 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय यशस्वी जायसवाल नाबाद 179 और आर अश्विन पांच रनों पर खेल रहे थे। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती दो विकेट 82 रन पर ही खो दिये। कप्तान रोहित शर्मा 14 जबकि शुभमन गिल 34 रनों पर आउट हुए, श्रेयस अय्यर ने 27 रन बनाये जबकि अपना पहला टेस्ट खेल रहे रजत पाटीदार 32 रन ही बना पाये। अक्षर पटेल 27 और के एस भरत 17 रन पर आउट हुए। वहीं इंग्लैंड की ओर से एंडरसन ने एक जबकि शोएब बशीर और रेहान अहमद ने दो-दो जबकि जेम्स एंडरसन और टाम हार्टले ने एक-एक विकेट लिया।

भारतीय टीम इस मैच में तीन बदलावों के साथ उतरी। चोटिल केएल राहुल की जगह पर

बल्लेबाज रजत पाटीदार को शामिल किया है। इस मैच से रजत ने अपना टेस्ट डेब्यू किया है। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम देते हुए उनकी जगह पर युवा गेंदबाज मुकेश कुमार को अवसर दिया गया है जबकि रविन्द्र जडेजा की जगह पर कुलदीप यादव को शामिल किया गया। इस मैच के लिए चयनकर्ताओं ने टीम में सरफराज खान, वाशिंगटन सुंदर और सौरव कुमार को शामिल किया था। इस मैच में भारतीय पारी का आकर्षण युवा बल्लेबाज यशस्वी की शतकीय पारी रही।

यशस्वी ने 151 गेंदों पर 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। इस पारी के साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने एक हजार रन भी पूरे कर लिए। इस दौरान उनका टेस्ट का औसत 45 और स्ट्राइक रेट 60 का रहा है।

यशस्वी ने टॉम हार्टली की गेंद पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक गत वर्ष वेस्टइंडीज दौर में लगाया था। तब यशस्वी ने 171 रन बनाये थे। यशस्वी ने शतक लगाकर भारतीय टीम को भी संभाला क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा 14 और शुभमन गिल 34 रनों पर ही आउट हो गये थे और टीम संकट में फंसती नजर आ रही थी। उन्होंने पहले विकेट के लिए कप्तान रोहित के साथ मिलकर 40 रन और शुभमन के साथ 49 रन, और तीसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर के साथ 90 रन बनाये। इससे भारतीय टीम 300 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

यशस्वी ने अपना दूसरा शतक लगाया , अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार रन भी पूरे किये

विशाखापत्तनम । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया है। ये यशस्वी के टेस्ट करियर का दूसरा वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहला शतक है। यशस्वी ने 151 गेंदों पर 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। इस पारी के साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने एक हजार रन भी पूरे कर लिए। इस दौरान उनका टेस्ट का औसत 45 और स्ट्राइक रेट 60 का रहा है। यशस्वी ने टॉम हार्टली की गेंद पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक गत वर्ष वेस्टइंडीज दौर में लगाया था। तब यशस्वी ने 171 रन बनाये थे। यशस्वी ने शतक लगाकर भारतीय टीम को भी संभाला क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा 14 और शुभमन गिल 34 रनों पर ही आउट हो गये थे और टीम संकट में फंसती नजर आ रही थी। उन्होंने पहले विकेट के लिए कप्तान रोहित के साथ मिलकर 40 रन और शुभमन के साथ 49 रन, और तीसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर के साथ 90 रन बनाये। इससे भारतीय टीम 300 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

ऋषभ, शमी सहित इन खिलाड़ियों का आईपीएल में खेलना संदिग्ध

मुम्बई (एजेंसी)। अगले माह मार्च में होने जा रहे आईपीएल में प्रशंसकों को एक बार फिर फटाफट क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा हालांकि आईपीएल के इस 17 वें सत्र में कई बड़े खिलाड़ियों के खेलने पर अभी भी संदेह बना हुआ है। इसमें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और सूर्यकुमार यादव भी हैं ये दोनो ही अभी चोटिल हैं और इसी कारण टीम से बाहर हैं। इसके अलावा कार हादसे के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी भी तय नजर नहीं आती है। ऋषभ आईपीएल से वापसी के लिए अभ्यास में लगे हुए हैं। आईपीएल 22 मार्च से शुरु हो रहा है। ऐसी संभावना है कि कुछ खिलाड़ी इस आईपीएल सत्र के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे जबकि कुछ को पूरे सत्र से ही बाहर रहना पड़ सकता है।

ऋषभ पंत

दिल्ली कैप्टिलस के कप्तान ऋषभ पिछले एक साल से अधिक समय से खेल के मैदान से दूर है। कैपिटल्स को इस बल्लेबाज के खेलने की उम्मीद है पर जिस प्रकार से उनकी रिकवरी चल रही है उसको देखते हुए उनका खेलना तय नजर नहीं आत है। ये भी हो सकता है कि वह शुरुआती मैच नहीं खेल पायें।

मोहम्मद शमी

गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल मोहम्मद शमी को हाल ही में चोट लग गई थी और उसके बाद से वह फिट होने के लिए रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इसी कारण वह भारतीय टीम से भी बाहर हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के बाद वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। शमी ने आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। ऐसे में अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो ये गुजरात के लिए करारा झटका होगा।

सूर्यकुमार यादव

मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पैर की चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर हैं। वह अफगानिस्तान के साथ सीरीज से भी बाहर रहे थे। सूर्यकुमार यादव को अभी भी कम से कम दो महीने के आराम की आवश्यकता होगी, ऐसे में तय है कि वह शुरुआती मैच न खेल पायें।

राशिद खान

गुजरात टाइंटस टीम में शामिल अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान की हाल ही में सर्जरी हुई थी जिससे उबरने में उन्हें समय लगेगा। इसी कारण वह भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज भी नहीं खेल पाये थे। राशिद आगामी पीएसएल 2024 में भी नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनका आईपीएल 2024 में भी खेलना बेहद संदिग्ध नजर आता है।

हार्दिक पंड्या

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, इसी कारण वह भारतीय टीम से भी बाहर हैं। उन्होंने अपना अंतिम मैच विश्व कप में खेला था जिसमें उन्हें चोट लग गई थी। उसी के बाद से ही वह वापसी नहीं कर पाये हैं। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए वह बेहद अहम खिलाड़ी रहेंगे। ऐसे में उन्हें आईपीएल में उतारकर बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा।

जडेजा तीसरा टेस्ट भी शायद ही खेल पायें

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी खेलना तय नहीं है। जडेजा को हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह आज से शुरु हुए दूसरे टेस्ट से भी बाहर हैं। जडेजा अभी यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने इलाज और पुनर्वास के दौर से गुजर रहे हैं। जडेजा के अलावा केएल राहुल भी जांच में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हैं। हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन खेल के दौरान जडेजा को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था जबकि राहुल की दायीं जांच में खिंचाव आया था। बीसीसीआई की मेडिकल टीम दोनो का ही उपचार कर रही है। जडेजा की चोट को लेकर टीम प्रबंधन कोई जोखिम मोल नहीं लेना चाहता है। इसी लिए उन्हें तीसरे टेस्ट से भी हटा लिया गया है। वहीं राहुल सुधार होने पर होने पर तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी की भी संभावना नहीं है क्योंकि वह अभी तक चोट से उभर नहीं पाए हैं। जडेजा गेंदबाजी के साथ ही शानदार बल्लेबाज भी करते हैं। इसके अलावा वह एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। तीसरा टेस्ट राजकोट में होना है जोकि जडेजा का घरेलू मैदान है पर वह अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल नहीं पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से दी मात, डेब्यू मैच में जेवियर बार्टलेट ने झटके 4 विकेट

खेल डैस्क (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने अपने पहले वनडे मैच में 17 रन देकर चार विकेट चटकाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती वनडे में शुक्रवार को यहां 69 गेंद शेष रहते हुए वेस्टइंडीज को आठ विकेट से शिकस्त दी। एक दिन पहले कोविड-19 जांच में मामूली रूप से संक्रमित पाए गये जोश इंग्लिस ने 43 गेंदों में 65 रनों की आक्रामक पारी खेली। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर वेस्टइंडीज की टीम 48.4 ओवरों में 231 रन पर आउट हो गई। बार्टलेट ने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट झटके जिससे वेस्टइंडीज ने 59 रन तक चार विकेट गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह पदार्पण मैच में किसी गेंदबाज का दूसरा सबसे अच्छा एकदिवसीय आंकड़ा है। इंग्लिस की आक्रामक पारी के बाद कप्तान स्टीव स्मिथ (नाबाद 79) और कैमरून ग्रीन (नाबाद 77) के शानदार नाबाद

अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में दो विकेट पर 232 रन का स्कोर बना लिया। बार्टलेट ने पदार्पण कर रहे एक अन्य तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ एमसीजी की तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर शानदार गेंदबाजी की। यह 1997 (गाबा में एंडी बिकेल और एंथोनी स्टुअर्ट) के बाद पहला मौका है जब ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का आगाज दो नये तेज गेंदबाजों ने किया। बार्टलेट ने अपनी तीसरी गेंद पर ही जस्टिन ग्रीव्स के ऑफस्टंप को उखाड़ दिया। उन्होंने इसके बाद एलिक एथेनाज और कप्तान शाई होप को पवेलियन की राह दिखाई जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर तीन विकेट पर 37 रन हो गया। केसी कार्टी (88) और रोस्टन चेस (59) ने इसके बाद पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। कार्टी हालांकि सीन एबोट के शानदार थ्रो पर रन आउट होने के कारण शतक पूरा करने से चूक गये। लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार लय में चल रहे ट्रेविस हेड (चार) पहले ओवर में ही मैथ्यू फोर्ड का शिकार बन गये। कोविड के कारण अलग ड्रेसिंग रूम में रहे इंग्लिस ने इसके बाद अपनी पारी में 10 चौके और छक्का लगाकर मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ बना दी। वह पारी के 12वें ओवर में गुडाकेश मोती की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद स्मिथ और ग्रीन ने 149 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की कर दी। श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय रविवार को सिडनी में खेला जायेगा।

सरफराज को पसंद है विराट , डिविलियर्स और रिचर्ड्स की बल्लेबाजी

विशाखापत्तनम। बल्लेबाज सरफराज खान को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है हालांकि वह अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये हैं। सरफराज ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं, इसके बाद से ही उन्हें भारतीय टीम में शामिल किये जाने की मांग उठती रही है। सरफराज को विराट कोहली, एबी डिविलियर्स और विवियन रिचर्ड्स और जावेद मियांदाद की बल्लेबाजी पसंद है। सरफराज के अनुसार वह जो रूट की बल्लेबाजी को भी देखते हैं। इस

बल्लेबाज के अनुसार जो भी सफल बल्लेबाज होता है उसे देखकर वह सीखने का प्रयास करते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह भविष्य में चाहे रणजी ट्रॉफी खेले या भारत के लिए खेलें। सीखने का क्रम जारी रखेंगे। सरफराज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता नौशाद अहमद को दिया है जिन्होंने उन्हें क्रिकेटर बनाने के लिए कई घंटे मेहनत की। साथ ही कहा कि इसी कारण आज वह भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। सरफराज के छोटे भाई मुशीर खान भी क्रिकेटर और इस समय अंडर 19 विश्व कप खेल रहे हैं। सरफराज ने कहा, ' मेरे पिता ने मुझे क्रिकेट से जोड़ा जबकि मैं हमेशा सोचता था कि मैं क्यों खेल रहा हूं। मैं एक आक्रामक बल्लेबाज हूं और मैं दूसरों की तुलना में जल्दी आउट हो जाता था और बड़ी पारियां भी नहीं खेल पाता था। दूसरों को सफल होते देखना निराशाजनक था जबकि मैं स्वयं रन नहीं बना पा रहा था पर मेरे पिता हमेशा मेरा हौंसला बढ़ते रहते थे। ' सरफराज ने 45 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 69.85 की औसत से 3912 रन बनाए हैं जिसमें 14 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

एफआईएच प्रो लीग मुकाबले 10 फरवरी से होंगे, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

राउरकेला (एजेंसी)। 10 से 25 फरवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में एफआईएच प्रो हॉकी लीग मुकाबले खेले जाएंगे। इन मैच में ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय पुरूष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। हॉकी इंडिया ने दोहरे चरण के मुकाबलों के लिये 24 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टूर्नामेंट का भुवनेश्वर चरण 10 फरवरी से शुरू होकर 16 फरवरी तक चलेगा जबकि राउरकेला चरण 19 से 25 फरवरी तक होगा।

भारतीय टीम इन मुकाबलों में आयरलैंड, नीदरलैंड, स्पेन और आस्ट्रेलिया से दो दो बार खेलेंगी। पहला मैच 10 फरवरी को स्पेन से होगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में स्ट्राइकर बॉबी धामी और गोलकीपर पवन को जगह नहीं मिली है।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी पी आर श्रीजेश और कृशन बहादुर पाठक के पास रहेगी। वहीं रक्षापंक्ति की कमान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार, सुमित , संजय, जुगराज सिंह और विष्णुकांत सिंह के पास रहेगी। मिडफील्ड में हार्दिक, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा और रबिचंद्र सिंह मोइरेंगथेम जैसे खिलाड़ी होंगे। इसके अलावा फॉरवर्ड पंक्ति में अनुभवी ललित उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आकाशदीप सिंह और अराइजीत सिंह हुंडर जैसे खिलाड़ी रखे गये हैं।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए कहा है कि हमने काफी संतुलित टीम रखी है जिसमें अनुभवी और युवा दोनो ही खिलाड़ी शामिल हैं। हमारा टीम का लक्ष्य एक ईकाई के तौर पर बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

एंडरसन ने 72 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा, भारत में टेस्ट खेलने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज बने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। इंग्लैंड के गेंदबाज जेम्स एंडरसन भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान 41 साल और 187 दिन की उम्र में भारतीय धरती पर टेस्ट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज बन गए। एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में 72 साल से कायम रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ ने 1952 के बाद से भारत में टेस्ट खेलने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज का खिताब अपने नाम किया था।

जब अमरनाथ ने अपना आखिरी टेस्ट मैच ईडन गार्डन्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेला तब उनकी उम्र 41 साल और 92 दिन थी। एंडरसन और अमरनाथ के साथ सूची में रे लिंडवाल, शुट बनर्जी और गुलाम गार्ड जैसे नाम शामिल थे जिनमें से सभी ने 1961 में क्रिकेट परिदृश्य में बदलाव से पहले अपनी अमिट छाप छोड़ी थी। एंडरसन भारत में टेस्ट खेलने वाले पांचवें सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। जिम्बाब्वे के खिलाड़ी जॉन ट्राईकोस के नाम 1993 में 45 साल 304 दिन की उम्र में खेलने का रिकॉर्ड है।

भारतीय परिस्थितियों में एंडरसन की विरासत एक और उल्लेखनीय उपलब्धि तक फैली हुई है। भारतीय धरती पर किसी मेहमान गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है। भारतीय क्रिकेट के तीन अलग-अलग युगों में, एंडरसन की गेंदें दिग्गजों के लिए दुश्मन रही हैं। 14 टेस्ट मैचों में एंडरसन ने 35 विकेट हासिल किए हैं।

जब सचिन तेंदुलकर का दबदबा था, तब एंडरसन ने तेंदुलकर को नौ बार आउट किया, विराट कोहली के युग में अंग्रेजी तेज गेंदबाज ने सात बार भारतीय कप्तान का बेशकीमती विकेट हासिल किया। अब उभरती प्रतिभा के युग में एंडरसन की

सटीकता ने युवा शुबमन गिल को परेशान किया, और अपने क्रिकेट मुकाबलों में पांचवीं बार उनका विकेट लिया।

पेरिस ओलंपिक के लिए मशाल वाहक होंगे बिंद्रा

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए मशाल वाहक चुना गया है। अब बिंद्रा इन खेलों में ओलंपिक मशाल रिले दल में शामिल रहेंगे। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होंगे। वहीं बिंद्रा 16 अप्रैल से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाली ओलंपिक मशाल रिले का हिस्सा होंगे। बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था। वह भारत की ओर से ओलंपिक में व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। बिंद्रा ने मशाल वाहक चुने जाने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पर कहा, मैं पेरिस ओलंपिक के लिए मशाल वाहक बनने का अनुभवी साझा करने के लिए उत्साहित हूं। इससे मुझे दुनिया भर में शांति का प्रतीक बनने का अवसर मिलेगा। ओलंपिक मशाल हमारी सामूहिक भावना और सपनों की शक्ति को दिखाती है। गौरतलब है कि पेरिस 2024 ओलंपिक मशाल रिले 8 मई 2024 को फ्रांस में शुरू होकर फ्रांसीसी क्षेत्रों में 68 दिनों की यात्रा से पहले मार्सिले पहुंचेगी। मशाल रिले 68 दिनों तक चलेगी और इस दौरान यह पांच विदेशी क्षेत्रों सहित 65 क्षेत्रों में पहुंचेगी। रिले में 10,000 मशाल वाहक शामिल होंगे, जिनमें 3000 मशाल वाहक शामिल होंगे जो टीम रिले में भाग लेंगे, और 400 शहरों का दौरा करेंगे ।मशाल यूनान में ओलंपिया के पास जलाई जाएगी और वहीं इसकी प्रारंभिक यात्रा होगी क्योंकि यहीं से ओलंपिक की शुरुआत हुई थी।

मर्सीडीज छोड़कर फेरारी से जुड़ेंगे लुईस हैमिल्टन, कहा- इस टीम के साथ 11 साल बेहतरीन रहे

लंदन । लुईस हैमिल्टन ने इस सत्र के आखिर में मर्सीडीज छोड़कर फेरारी में जाने का फैसला लेकर मोटरस्पोर्टस जगत को हैरान कर दिया है। हैमिल्टन ने अगस्त के आखिर में मर्सीडीज के साथ करार दो साल के लिए बढाया था लेकिन नए करार में उन्होंने 'रिलीज' का प्रावधान रखा था जिससे वह 2025 में फेरारी से जुड़ सकेंगे। उन्होंने टीम द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'इस टीम के साथ 11 साल बेहतरीन रहे हैं। मुझे इस पर गर्व है। मैं जब 13 साल का था, तभी से मर्सीडीज मेरे जीवन का हिस्सा है। मैं यहीं बड़ा हुआ और इसे छोड़ने का फैसला काफी कठिन था। लेकिन मेरे लिए यह जरूरी था। मैं नई चुनौती को लेकर काफी रोमांचित हूं।' हैमिल्टन ने सात में से छह फार्मूला वन खिताब मर्सीडीज के साथ जीते हैं।

पृथ्वी ने रणजी मुकाबले से मैदान पर वापसी की

कोलकाता । मुम्बई के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने तीन माह के बाद रणजी ट्रॉफी से वापसी की है। पृथ्वी शुक्रवार से यहां बंगाल के खिलाफ शुरु हुए मैच से मैदान पर उतरे। इससे पहले उन्हें अगस्त में काउंटी क्रिकेट में नॉर्थैंप्टनशर की ओर से खेलते हुए वह चोटिल हो गये थे। इस कारण उन्हें काउंटी सत्र बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौटना पड़ा था। इसके बाद उनके घुटने की सर्जरी हुई थी जिसके बाद से ही वह आराम कर रहे थे। पिछले सप्ताह के अंत में उन्हें फिटनेस परीक्षण के बाद बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने खेलने की मंजूरी दे दी गई थी। पृथ्वी के शामिल होने से मुम्बई की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। मुंबई अभी ग्रुप बी के शीर्ष पर है, जहां उन्होंने चार में से तीन मैच जीते हैं और वह नॉकआउट स्तर पर जगह बनाने के लिए अग्रसर है।

यहां घूमने नहीं, अच्छा टेनिस खेलने आए है: भारतीय डेविस कप कप्तान जीशान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान दौरे पर गई भारत के डेविस कप टीम के कप्तान जीशान अली को शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कई अटपटे और हैरानी भरे सवालों का सामना करना पड़ा जिसमें 'क्रिकेट सहित अन्य भारतीय टीमें पाकिस्तान का दौरा क्यों नहीं करतीं' और 'पाकिस्तान में शॉपिंग (खरीदारी और सैर-सपाटा) के अनुभव' के बारे में पूछना शामिल रहा।

लगभग 60 साल बाद डेविड का मुकाबले के लिए पाकिस्तान गई भारतीय टीम दरअसल अब तक अपने होटल से बाहर कड़ी सुरक्षा में सिर्फ इस्लामाबाद खेल परिसर में अभ्यास के लिए ही आई। जीशान ने हालांकि रणनीतिक तरीके से इन सवालों का जवाब दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम को संक्षिप्त दौरे पर कहीं बाहर जाने का मौका मिलेगा। उन्होंने हालांकि इस दौरे पर टीम के मकसद के बारे में ज्यादा करते हुए कहा कि टीम यहां अच्छा टेनिस खेलने आई है।

'शॉपिंग' के बारे में पूछे जाने पर जीशान ने कहा, 'हम कहीं बाहर नहीं गए हैं। मुझे उम्मीद है कि कुछ समय के लिए बाहर जाने की व्यवस्था की जा सकती है।' भारतीय कोच एवं कप्तान की भूमिका निभा रहे इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'खेल के लिहाज से हमारा यहां आना इस क्षेत्र में टेनिस के लिए बहुत अच्छा होगा। अगर अधिक बच्चे इस खेल को अपनाएंगे तो इससे टेनिस को फायदा होगा और यही हमारा मुख्य इरादा है।'

जीशान ने कहा, 'अगर हम दोस्ती बढ़ाने और टेनिस के खेल की लोकप्रियता बढ़ाने में किसी भी तरह से मदद कर सकें, तो हमने अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेंगे।' भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान ने स्वीकार किया कि एआईटी (अखिल भारतीय टेनिस महासंघ) द्वारा व्यक्त की गई सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने उन्हें अब तक सीमित तरीके से जो आतिथ्य सत्कार दिया है वह शानदार है। भारत के शीर्ष एक एकल खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने भी यही भावना व्यक्त की।

उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि यहां लोगों ने खुल कर हमारा स्वागत किया होगा। लेकिन दुर्भाग्य से, हम बाहर नहीं जा सकते। हम यहां टेनिस खेलने के लिए हैं। रामकुमार इस टाई के शुरुआती एकल में शनिवार को ऐसाम-उल-हक कुरेशी से भिड़ेंगे। इस मामले में की भांबरी अपने सहयोगी से सहमत थे। उन्होंने कहा, 'यह पहले दिन से ही बहुत अच्छा रहा है। हर कोई हमारी मदद के लिए तैयार है। जीशान ने कहा कि अगर वे बाहर नहीं जा सकते हैं तो भी वह निराश नहीं होंगे क्योंकि वह और उनकी टीम यहां घूमने के लिए नहीं बल्कि देश के लिए अपना काम करने आये है। पाकिस्तान में हालांकि गर्मजोशी से हमारा स्वागत हुआ है।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान आने पर फैसला वहां के लोगों (भारत सरकार) को लेना होता है। हमारा काम टेनिस खेलना है। हमें इसकी मंजूरी मिली गयी, इसलिये हम यहां है। जीशान को तब और आश्चर्य हुआ जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि पाकिस्तान में सुरक्षा कोई मुद्दा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यहां आना है। उनसे यह भी पूछा गया कि दोनों देशों के बीच सभी खेलों में द्विपक्षीय श्रृंखलाएं क्यों नहीं होती हैं। स्थानीय पत्रकार अपनी धरती पर भारतीय टीम को देखने के लिए काफी उत्साहित थे,

क्योंकि उनमें से कई पिछले साल आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए भारत दौरे पर नहीं आ सके थे।' पीटीएफ के एक अधिकारी को हस्तक्षेप करना पड़ा और मीडियाकर्मियों से अपने सवालों को केवल डेविस कप मुकाबले तक सीमित रखने के लिए कहना पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों-राई

भरपूर मुनाफे की फसल

शीत ऋतु की तिलहनी फसलों में राई-सरसों का एक प्रमुख स्थान है। सरसों के हरे पौधे से लेकर सूखे तने, शाखायें और बीज आदि सभी भाग उपयोग में आते है। सरसों की कोमल पत्तियाँ तथा कोमल शाखायें सब्जी के रूप में (सरसों का साग) प्रयोग की जाती है। सरसों का साग और मक्के दी रोटी उत्तर भारत में चाव से खाई जाती है। सरसों राई के बीज में 37-49 प्रतिशत तेल पाया जाता है। राई-सरसों के तेल में पाये जाने वाले असंतृप्त वसा अम्ल लिनोलिक एवं लिनालेनिक अम्ल अत्यावश्यक वसा अम्ल है। राई-सरसों का तेल खाने, सब्जी पकाने, शरीर तथा सिर में लगाने के अलावा वनस्पति घी बनाने में भी लाया जाता है। अचार बनाने, सब्जियाँ बनाने व दाल में तड़का लगानें मे सरसों के तेल का प्रयोग बखूबी से किया जाता है। सरसों और तोरिया के तेल का उपयोग साबुन, रबर तथा प्लास्टिक आदि के निर्माण में किया जाता है। इस्पात उद्योग में इस्पात प्लेटों में शीघ्र शीतलन और चमड़े को मुलायम करने में भी तेल का प्रयोग किया जाता ह। सरसों की खली के लगभग 25-30 प्रतिशत प्रोटीन, 5 प्रतिशत नाईट्रोजन, 1.8-2.0 प्रतिशत फॉस्फोरस तथा 1-1.2 प्रतिशत पोटेशियम पाया जाता है। इसका प्रयोग पशुओ को खिलाने तथा खाद के रूप में किया जाता है। सरसों-राई को भूमि संरक्षक फसल के रूप में भी उगाया जाता है। सरसों के हरे पौधे, सूखी पत्तियों को जानवरो को चारे के रूप में खिलाया जाता है।

भारत में उगाई जाने वाली तिलहनी फसलों में सरसों- राई का मूँगफली के बाद दूसरा स्थान है जो कि कुल तिलहन उत्पादन का 22.9 प्रतिशत है तथा तिलहनी फसलों के कुल क्षेत्रफल का 24.7 प्रतिशत क्षेत्रफल राई - सरसों के अन्तर्गत आता है। भारत में राई- सरसों वर्ग के अन्तर्गत तोरिया, भूरी सरसों, तारामिरा, करन राई तथा काली सरसों का उत्पादन किया जाता है परन्तु राई-सरसों वर्ग की फसलों के कुल क्षेत्रफल का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा भूरी सरसों (राई या लाहा) के अन्तर्गत आता है, जिसका अधिकांश क्षेत्रफल राजस्थान, उ.प्र., पंजाब, हरियाणा, म.प्र., बिहार, पं. बंगाल, गुजरात तथा असम में है। राई-सरसों के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले प्रथम तीन राज्यों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश जबकि उत्पादन में राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं हरियाना अग्रणीय राज्य है। इन फसलें की अउसत उपज में पहले स्थान पर हरियाना (1738 किग्रा. प्रति हैक्टर), दूसरे पर राजस्थान (1234 किग्रा.) एवं तीसरे स्थान पर गुजरात (1136 किग्रा.) कायम रहे। मध्य प्रदेश में सरसों - राई की खेती 0.71 मिलियन हेक्टेयर में की गई जिससे 074 मिलियन टन उत्पादन दर्ज किया गया तथा औसत उपज 1034 किग्रा. प्रति हेक्टेयर रही है। छत्तीसगढ़ में राई-सरसो की खेती 160.03 हजार हैक्टर में की गई जिससे 525 किग्रा. अउसत उपज प्राप्त हुई (वर्ष 2009-10)। प्रदेश के प्रमुख राई-सरसो उगाने वार्ल जिलो में सरगुजा, जगदलपुर, कोरिया, जशपुर, कांकेर, जांजगीर, धमतरी एवं दंतेबाड़ा जिले आते है। सरसों की खेती प्रदेश में अगेती फसल के रूप में की जाती है। आदिवासी अंचल में सरसों की फसल बाड़ी में मक्का फसल लेने के बाद की जाती है। सिंचित दशा में धान के बाद भी सरसों की फसल ली जा रही है। जाड़े की अवधि कम होने तथा सिंचाई के पर्याप्त साधन न होने के कारण प्रदेश मे सरसों की औसत उपज कम ही आती है। इन फसलों की खेती शुद्ध एवं मिश्रित फसल के रूप मे होती है।

उपयुक्त जलवायु

राई तथा सरसों रबी मौसम की फसल है जिसे शुष्क एवं ठण्डी जलवायु तथा चटक धूप की आवश्यकता होती है। इसकी खेती 30 से 40 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र में सफलतापूर्वक की जा सकती है। बीज अंकुरण बुआई के समय वातावरण का तापमान तथा फसल बढ़वार के लिए तापक्रम आदर्श माना गया है। वातावरण का तापक्रम से कम या 35-40 डि सेंटीग्रेट से अधिक होने पर फसल वृद्धि रूक जाती है। बीज में तेल की अधिकतम मात्रा के लिए 10-15 डि सेग्रे तापक्रम उपयुक्त रहता है। पौधों में फूल आने और बीज पड़ने के समय बादल और कोहरे से भरा मौसम हानिकारक होता है क्योंकि ऐसे मौसम में कीट और रोगों का प्रकोप की अधिक सम्भावना होती है। पौध वृद्धि व विकास के लिए कम से कम 10 घंटे की धूप आवश्यक है।

भूमि का चयन एवं खेत की तैयारी

सभी प्रकार के सरसों के लिए दोमट जलोढ़ भूमि सर्वोत्तम है। वैसे तो उत्तम जल निकास एवं भू-प्रबन्ध के साथ सरसों एवं राई सभी प्रकार की जमीन में उगाई जा सकती है। परन्तु बुलई दोमट और दुमट मिट्टी अधिक उपयुक्त हैं। उदासीन से हल्की क्षारीय भूमि (पीएच मान 7-8) इन फसलों की खेती के लिए अच्छी मानी जाती है।

शुद्ध फसल के लिये प्रायः एक जुताई मिट्टी पलट हल से करनी चाहिए तथा 3-4 जुताइयाँ देशी हल या कल्टीवेटर से करनी चाहिए। पाटा चलाकर खेत की मिट्टी को महीन, भुरभुरी तथा समतल कर लेते हैं। इससे जमीन में आर्द्रता अधिक लम्बे समय तक के लिये संचित रहती है, जो कि सरसों व राई के उत्तम अंकुरण एवं पौध बढ़वार के लिये आवश्यक है। मिश्रित रूप में बोई जाने वाली सरसों के खेत की तैयारी प्रधान फसल की आवश्यकतानुसार ही की जाती है।

उन्नत किस्में

प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि अकेले उन्नत किस्मों के प्रयोग से पुरानी प्रचलित किस्मों की अपेक्षा 20-25 प्रतिशत अधिक उपज ली जा सकती है। छत्तीसगढ़ के लिए उपयुक्त उन्नत किस्मों में छत्तीसगढ़ सरसों, वरदान, रोहिनी, एनडीटी-8501, कृष्णा, जवाहर-1(जेएमडब्लूआर 93-39), माया, स्वर्ना, ज्योति, वशुंधरा, जवाहर मस्टर्ड, झुमका । भूरी सरसों में पूसा कल्यानी।

उपर्युक्त किस्मों की खेती दोनों राज्य म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ में की जा सकती है। जेएम -1, जेएम - 2 व जेटी-1 किस्में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय द्वारा विकसित की गई है।

छत्तीसगढ़ सरसों- इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म 99-115 दिन में पक कर तैयार होती है। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ की सिंचित व अर्द्ध सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त किस्म है। इसके दाने कत्थई रंग व मध्यम आकर के होते हैं। उपज क्षमता औसतन 11.80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। इसमें सफेद किट्ट (रस्ट), चूर्णिल आसिता आल्टरनेरिया झुलसा रोग तथा एफिड कीट का प्रकोप कम होता है।

बोआई उचित समय पर

राई-सरसों की शुद्ध फसल खरीफ में खेत पड़ती छोड़ने के बाद या खरीफ में ज्वार, बाजरा लेने के पश्चात् बोई जाती है। सरसों मुख्यतः गेहूँ, जौ, चना, मसूर व शरदकालीन गन्ना के साथ मिलाकर बोयी जाती है। आलू व सरसों की सह फसली खेती 3:1 अनुपात में की जाती है । शरदकालीन गन्ने की दो पंक्तियों के मध्य एक पंक्ति सरसो की बोई जा सकती है। गेहूँ और सरसों (9:1), चना और सरसों (3:1), तथा तोरिया और मसूर (1:1) की अन्तः फसली खेती भी लाभप्रद पाई गई है।

समय पर बुआई करना खेती में सफलता की प्रथम सीढ़ी है। सरसों की बुआई का समय मुख्यतः तापक्रम पर निर्भर करता है। बुआई के समय वातावरण का तापमान 26-30 डि.से. होना आवश्यक है। सरसों और राई की बुआई अक्टूबर के प्रथम पखवारे में करना चाहिए। अधिक तापमान होने की दशा में बुआई में देरी कर देनी चाहिए। तोरिया की बोनी सितम्बर के दूसरे पखवारे में करना चाहिए। तोरिया की बुआई देरी से करने पर फसल पर एफिड कीट का प्रकोप अधिक होता है।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

अच्छी उपज लेने के लिए यह आवश्यक है कि प्रति हेक्टेयर खेत में उचित पौध संख्या स्थापित हो। सरसों की शुद्ध फसल हेतु 5-6 किलो प्रति हेक्टेयर तथा मिश्रित फसल उगाने के लिए 1.5-2 किलो प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता पड़ती है। तोरिया की बीज दर 4 किग्रा. प्रति हे. रखना चाहिए। बोने के पूर्व सरसों के बीज को फफूंदीनाशक रसायन जैसे कार्बेन्डिजिम (वाविस्टिन) 2 ग्राम प्रति किग्रा. बीज या थीरम (2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से) उचारित करना चाहिए जिससे फसल को मृदा जनित रोगों से बचाया जा सके।

बोआई की विधियाँ

सरसों फसल की बुवाई पंक्तियों में 45 सेमी. और पौधों में 15-20 सेमी. के अन्तर से करना चाहिये। तोरिया की बुआई पंक्तियों में 30 सेमी. और पौधों में 10-15 सेमी. के अन्तर पर करना उचित रहता है। बुआई के समय यह ध्यान रखना चाहिये कि बीज उर्वरक के सम्पर्क में न आये अन्यथा अंकुरण प्रभावित होगा। अतः बीज 3-4 सेमी. गहरा तथा उर्वरक को 7-8 सेमी. गहराई पर देना चाहिए। अच्छे अंकुरण एवं उचित पौध संख्या के लिए बुआई से पूर्व बीजों को पानी में भिगोकर बोया जाना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक की सही खुराक

सरसों भारी मात्रा में और शीघ्रता से भूमि से पोषक तत्व ग्रहण करती है। अतः खाद और उर्वरकों के माध्यम से फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की प्रतिपूर्ति आवश्यक है। बुआई के 15-20 दिन पूर्व 10-15 टन सड़ी हुई गोबर की खाद खेत मे मिलाने से पउध वृद्धि और उपज में बढ़ोत्तरी होती है। राई व सरसों की सिंचित फसल में 100-120 किग्रा. नत्रजन, 40 किग्रा. स्फुर व 40 किग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। असिंचित अवस्था में 40 किग्रा. नत्रजन, 30 किग्रा. स्फूर व 20 किग्रा. पोटाश प्रति हे. की दर से प्रयोग करना चाहिए। पोषक तत्वो की वास्तविक मात्रा का निर्धारण मृदा परीक्षण के आधार पर किया जाता है। मृदा परीक्षण नहीं किया गया है तो तोरिया की सिंचित फसल के लिए 90 किग्रा. नत्रजन 30 किग्रा. स्फुर तथा 20 किग्रा. पोटॉश प्रति हे. तथा असिंचित दशाओं में इसकी आधी मात्रा प्रयोग करनी चाहिए। सिंचित अवस्था में नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय कूड़ो में बीज के नीचे देना चाहिए। शेष नत्रजन पहली सिंचाई के बाद देना चाहिए। भूमि मे जिंक की कमी होने पर 5-10 किग्रा. जिंक (जिंक सल्फेट के माध्यम से) बुआई के समय देना लाभप्रद पाया गया है। नत्रजन को अमोनियम सल्फेट तथा फास्फोरस सिंगल सुपर फास्फेट के रूप में देने से फसल को आवश्यक सल्फर तत्व भी मिल जाता है जिससे उपज और बीज के तेल की मात्रा बढ़ती है।

सिंचाईसे बड़े पैदावार

सरसो में सिंचाई देने से उपज मे वृद्धि होती है। अच्छे अंकुरण के लिए भूमि मे 10-12 प्रतिशत नमी होना आवश्यक रहता है। कम नमी होने पर एक हल्की सिंचाई देकर बुआई करना लाभप्रद रहता है। सरसों फसल में 2-3 सिंचाइयों की आवश्यकता होती है। इस फसल को औसतन 40 सेमी. जल की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई बुआई के 25-30 दिन बाद (4-6 पत्ती अवस्था) और दूसरी सिंचाई फूल आते समय (बुआई के 70-75 दिन बाद) करनी चाहिए। प्रथम सिंचाई देर से करने पर पौधों में शाखायें, फूल व कलियां अधिक बनती है। सरसों में पुष्पागम और शिम्बी लगने का समय सिंचाई की दृष्टि से क्रांतिक होता है। इन अवस्थाओं पर भूमि में नमी की कमी होने से दानें अस्वस्थ तथा उपज और दाने में तेल की मात्रा में कमी होती है।

खेत खरपतवार मुक्त रहे

राई एवं सरसों में खरपतवारों के कारण 20 - 30 प्रतिशत तक उपज मे कमी आ सकती है। फसल में बथुआ, चटरी-मटरी, सैंजी, सत्यानाशी, मौथा, हिरनखुरी आदि खरपतवारों का प्रकोप होता है। पौधों की संख्या इष्टतम होने से प्रत्येक पौधों का विकास अच्छा होता है, शाखायें अधिक निकलती है जिससे पौधों पर फलियाँ अधिक बनती है क्योंकि पौधो को उचित प्रकाश, जल और पोषक तत्व समान रूप से उपलब्ध होते है। बुआई के 15-20 दिन बाद एक निंदाई-गुड़ाई करें तथा पौधों- से-पौधें की दूरी छँटाई करके 15-20 सेमी. कर देना चाहिए। पंक्ति में घने पौधो को उखाड़कर पौध से पौध की उचित दूरी रखने को विरलन कहते है। जब फसल में पहली फूल की शाखा निकल आये तब ऊपरी हिस्सा तोड़ देने मे शाखाये, फूल व फलियाँ अधिक बनती है जिससे उपज मे वृद्धि होती है। पौधों के इस कोमल भाग को सब्जी के रूप में बाजार में बेचा जा सकता है या पशुओं को खिलाने के लिए प्रयोग मे लाना चाहिए। खरपतवारों के रासायनिक नियंत्रण के लिए पेन्डीमेथालिन (स्टाम्प) 0.5-1.5 किग्रा. या आइसोप्रोट्यूरान 1-1.3 किग्रा. प्रति हे. को 800-100 लीटर पानी में घोलकर अंकुरण से पहले छिड़काव करना चाहिए। यदि सरसों को चने क साथ लगाया गया है तब खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरालिन (बेसालिन) 0.75-1 किग्रा. प्रति हेक्टेयर को बुआई के पूर्व खेत मे छिड़कना चाहिए।

कटाई एवं गहाई पर भी ध्यान

तोरिया की फसल 90-100 दिन तथा राई की फसल 120-150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। पकने पर पत्तियाँ पीली पड़ जाती है और बीजों का प्राकृतिक रंग आ जाता है। अपरिपक्व अवस्था में कटाई करने पर उपज में कमीं आ जाती है और तेल की मात्रा भी घट जाती है। फलियों के अधिक पक जाने पर वे चटख जाती हैं और बीज झड़ने लगते है। फल्लियों एवं पत्तियो के पील पड़ने के साथ ही फसल की कटाई हँसिये से या फिर पौधों को हाथ से उखाड़ लेना चाहिये। कटाई उपरान्त फसल को 2 - 3 सप्ताह तक खलिहाँन में सुखाया जाता है, फिर डंडो से पीटकर या बैलो की दाय चलाकर या ट्रेक्टर से मड़ाई की जाती है। आज कल मड़ाई के लिए थ्रेसर का भी प्रयोग किया जाता है। मड़ाई के बाद बीजों को भूसे से अलग करने के लिए पंखे का प्रयोग करते है या हवा में ओसाई करते है।

उपज हो भरपूर

सरसों एवं तोरिया की मिश्रित फसल से 3-5 क्विंटल तथा शुद्ध असिंचित फसल से 10-12 क्विंटल तथा सिंचिंत फसल से 12-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है। उन्नत सस्य तकनीक अपनाकर असिंचित राई से 15-20 क्विंटल तथा सिंचित राई से 20-25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त की जा सकती है। भूसा भी लगभग 15-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। बीज को अच्छी तरह धूप में सूखाना चाहिए। सरसों के दानों में भण्डारण के समय नमी की मात्रा 7-10 प्रतिशत होना चाहिए। सरसों-राई के बीज में 38-40 प्रतिशत, तोरिया में 42-44 प्रतिशत तथा भूरी व पीली सरसो में 43-48 प्रतिशत तेल पाया जाता है ।

सरसों की खेती में कीट रोगों से बचाव के उपाय

राई की खेती में फूल आने और दाना भरने की अवस्था अधिक संवेदनशील होती है। राई में झुलसा रोग, सफेद गेरूई रोग, तुलसिता रोग, आरा मक्खी एवं मॉहू कीट आदि का प्रकोप हो जाता है, इनसे बचाव करके अच्छी उपज पाई जा सकती है। कृषि विभाग के प्रसार शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्यूरो से प्राप्त जानकारी के अनुसार राई में झुलसा रोग के तहत पत्तियों और फलियों पर गहरे कत्थई धब्बे बन जाते हैं जिसमें गोल गोल छल्ले स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसके अतिरिक्त सफेद गेरूई रोग में निचली सतह पर फफोले बनते हैं और बाद में पुष्प विन्यास विकृत हो जाता है। जब कि तुलसिता रोग में निचली सतह पर सफेद रोयेन्दार फफून्दी के साथ ऊपरी सतह पर पीलापन आ जाता है। झुलसा, सफेद गेरूई एवं तुलसिता तीनों ही रोगों पर नियन्त्रण के लिए जिंक मैग्नीज कार्बोनेट 75 प्रतिशत दो किलो ग्राम या जीरम 80 प्रतिशत 2 किलोग्राम या जिनेव 75 प्रतिशत 2.5 किलोग्राम प्रति हे0 की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इन रोगों के अतिरिक्त आरा मक्खी कीट भी राई में लग जाते हैं। इसकी गिडार काले रंग की होती है, जो पत्तियों को बहुत तेजी से खाती है। इसकी रोकथाम के लिए इन्डोसल्फान 35 ई0सी0 1.25 लीटर पानी या मैलाथियान 50 ई0सी01.5 लीटर, क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत धूल अथवा इण्डोसल्फान 4 प्रतिशत धूल अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल 25 किग्रा0 प्रति हे0 की दर से प्रयोग करें। राई में लगने वाला माहू कीट भी काफी हानिकारक होता है। यह छोटा एवं कोमल शरीर वाला हरे मटमेले भूरे रंग का कीट है, जिसके झुण्ड पत्तियों, फलों, डंठलों,फलियों आदि पर चिपके रहते हैं एवं रस चूसकर पौधों को कमजोर कर देते हैं। इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान 50 प्रतिशत ई0सी0 2 लीटर या इण्डोसल्फान 35 ई0सी0 1.25 लीटर मोनोक्रोटोफास 36 एस0एल0 0.75 लीट प्रति हे0 की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान के खटारा विमानों से यात्रियों की जान को खतरा,नए एयरपोर्ट का विरोध शुरु

पेशावर। पाकिस्तान में अधिकांश विमान खटारा हो चुके हैं। उसके पास नए विमान खरीदने के पैसे भी नहीं है। हालत इतनी ज्यादा खराब है कि पाकिस्तान की अदालत को इस मामले में स्वत- संज्ञान लेना पड़ा। दूसरा मामला एक एयर पोर्ट का है। निर्माणाधीन इस एयर पोर्ट से लोग खतरा महसूस कर रहे है। इसके विरोध में खड़े लोगों का कहना है कि आस पास की रिहायशी बस्तियों के लोगों का जीना दूभर हो जाएगा।गिलगित हवाई अड्डे के लिए पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की उड़ान संचालित करने के लिए खराब विमानों का उपयोग कर रहा है उससे उनके जीवन को गंभीर खतरे में डाल रहा है। एक खास रिपोर्ट में इस संवेदनहीन और चौंकाने वाले मामले का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार गिलगित बाल्टिस्तान के लोग लंबे समय से गिलगित सेक्टर में सेवा में लगाए गए आपदा-संभावित विमानों के बारे में शिकायत कर रहे हैं, जो अक्सर तकनीकी खराबी के कारण खड़े हो जाते हैं, जिससे हवाई अड्डों पर सामान्य देरी हो जाती है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने लगातार खराबी के बाद कई उड़ानों को रोक दिया है। सेक्टर में कम से कम दो विमान पहाड़ी इलाकों में दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। गिलगित और स्कर्दू से आने-जाने वाली पीआईए की उड़ानों के खिलाफ लोगों के पास काफी मुकदमे हैं। दोषपूर्ण विमानों के उपयोग के अलावा, एक और गंभीर शिकायत यात्रियों से अत्यधिक किराया वसूलने की है। किराया समय, दूरी और एयरलाइन द्वारा प्रदान की गई सेवा की गुणवत्ता के अनुपात से अधिक था। किराया कराची से दुबई की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से अधिक था। इस तरह के अत्यधिक आरोप पीआईए के नागरिकों की सेवा के दावों पर सवाल उठाते हैं। सुप्रीम अपीलीय अदालत के न्यायाधीश सरदार मुहम्मद शमीम खान ने अब पीआईए से मार्ग पर विमानों के परिचालन जीवन और बार-बार खराब होने के कारणों पर एक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। 20 जुलाई, 2019 को गिलगित हवाई अड्डे पर उतरते समय एटीआर-42 विमान के रनवे से फिसल जाने के बाद पीआईए को 10.1398 मिलियन रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। पाकिस्तान के महालेखा परीक्षक ने अपनी 2021-22 रिपोर्ट में नुकसान के लिए पीआईए को जिम्मेदार ठहराया। पिछले सितंबर में, स्थानीय मुख्य न्यायाधीश शमीम खान ने शिकायतों पर स्वत- संज्ञान लिया था और एयरलाइंस और हवाईअड्डा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया था। अधिकारियों ने अदालत को सूचित किया कि विमान 2006 में खरीदे गए थे और उन्होंने अपनी उड़ान का केवल आधा चक्र ही पूरा किया था। अदालत प्रतिक्रिया से नाखुश थी और अत्यधिक खतरे के बारे में सार्वजनिक शिकायतों पर अधिक विश्वसनीय प्रतिक्रिया देने को कहा था।

अमेरिका में सिंगल-ईंजन विमान दुर्घटनाग्रस्त

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में एक एकल इंजन विमान के दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर जाने से आसपास के कई घरों में आग लग गई और कई लोगों के हताहत होने की खबर है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले करीब सात बजे पायलट ने क्लीयरवाटर में इंजन में खराबी की सूचना दी थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कई मौतों की पुष्टि होने की जानकारी दी गई है। संघीय उड्डयन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के मुताबिक विमान, उसके पायलट और यात्रियों की पहचान करने के लिए जांच की जा रही है। दुर्घटना के दौरान चपेट में आये घरों में लोगों की मौजूदगी के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

ट्यूनीशिया संसद के पूर्व अध्यक्ष को तीन साल की सजा

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने विदेश से विपक्षी दल एन्नाहदा नेता एवं संसद के पूर्व स्पीकर रचेड घनौची को तीन साल की सजा सुनाई है। मीडिया ने अदालत के प्रवक्ता के हवाले से इसकी खबर दी। घनौची को मई 2023 में पुलिस के खिलाफ उकसाने के आरोप में एक साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। भ्रष्टाचार के मामलों में विशेषज्ञता रखने वाली प्रथम दृष्टया अदालत ने नई सजा सुनाई और यह तुरंत प्रभावी हो गई। ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने जून 2021 में रहने की स्थिति में गिरावट के कारण संसद और इस्लामवादी पार्टी एन्नाहदा के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच सरकार को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने मार्च 2022 में संसद को यह कहते हुए बर्खास्त कर दिया कि वह सरकार और उसके संस्थानों की रक्षा के लिए ऐसा कर रहे हैं।

सिंगापुर में नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय मूल के सैन्यकर्मी को जेल

- सुब्रमण्यम को उसकी गिरफ्तारी के बाद सेना ने सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया था

सिंगापुर। सिंगापुर सशस्त्र बल (एसएएफ) के 50 वर्षीय भारतीय मूल के वारंट अधिकारी को 2021 में 15 वर्षीय लड़की के साथ यौन संबंध बनाने का प्रयास करने के लिए 10 महीने जेल की सजा सुनाई गई। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार सुब्रमण्यम थबुरन रंगासामी ने नाबालिग जो अब 17 साल की है, के साथ यौन संबंध बनाने के एक मामले में पिछले महीने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। सजा सुनाते समय दो अन्य आरोपों पर भी विचार किया गया। सुब्रमण्यम को उसकी गिरफ्तारी के बाद सेना ने सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया था। रक्षा मंत्रालय की एक प्रवक्ता ने अखबार को बताया कि अदालत की सुनवाई के बाद एसएएफ आगे की कार्रवाई करेगी, जिसमें सुब्रमण्यम को सेवा से बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है। घटना 6 दिसंबर 2021 को हुई, जब पीड़िता को सुबह अपने स्कूल काउंसलर के साथ ऑनलाइन मीटिंग करनी थी। माध्यमिक 3 की छात्रा कारपार्क की पांचवीं मंजिल से नीचे उतरते समय गिर गई और एक दरवाजे से टकरा गई। सुब्रमण्यम ने उसे अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद की। उसने उसे धन्यवाद दिया और कारपार्क की एक मंजिल पर लगभग एक घंटे तक बातचीत करने के बाद वे अंतरंग हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुब्रमण्यम ने उसके साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा, जिसके बाद वे अलग हो गए और नंबरों का आदान-प्रदान किया। अदालत को बताया गया कि वे व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क में रहे, लेकिन संदेश यौन प्रकृति के नहीं थे। घटना के दो दिन बाद लड़की ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई क्योंकि उसे लगा कि सुब्रमण्यम ने उसका फायदा उठाया है।

आतंकियों को लेकर यूएन की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा,बताया कौन किसको कर रहा सहयोग

इस्लामाबाद। आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने बड़ा खुलासा किया है। यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) आतंकी समूह पाकिस्तान में हमलों को अंजाम देने के लिए अलकायदा और अन्य आतंकी समूहों से महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के हवाले से बृहस्पतिवार को मीडिया में आई एक खबर में यह दावा किया गया। खबरों के अनुसार, इस सूचना का खुलासा आईएसआईएल (दाइश) और अलकायदा/तालिबान निगरानी टीम द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति को सौंपी गई 33वीं रिपोर्ट में किया गया है। इस सहयोग में न केवल हथियार एवं उपकरण शामिल हैं, बल्कि पाकिस्तान के खिलाफ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की गतिविधियों को मिलने वाला जमीनी समर्थन भी शामिल है। प्रतिबंधित टीटीपी पर नकेल कसने में अफगान तालिबान की निष्क्रियता को लेकर इस्लामाबाद ने कई बार अपनी निराशा जाहिर की है। टीटीपी पाकिस्तान के अंदर कई बड़े हमलों को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है। टीटीपी की गतिविधियों पर रोक लगाने में अफगान तालिबान की नाकामी से दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आया है। पाकिस्तान का मानना है कि टीटीपी से निपटने में काबुल की अनिच्छा उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक सीधा खतरा है।

अमेरिकी हवाई अड्डे पर बन रहे हैंगर के गिरने से 3 की मौत, 9 घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के बोइज एयर पोर्ट पर एक बड़ा हादसा हुआ है। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। अमेरिका में इडाहो प्रांत की राजधानी बोइज के बोइज हवाई अड्डे पर एक निर्माणाधीन हैंगर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गये। बोइज अग्निशमन विभाग ने बताया कि बुधवार हो हुए हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है।

नेरोबी में एक गैस सिलेंडर रिफिल डिपो में लगी आग के बाद वहां एकत्र लोग।

सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद 8 फरवरी को ही होंगे चुनाव, आयोग ने किया ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री गौहर इजाज ने गुरुवार को पुष्टि की कि 8 फरवरी को पहले से निर्धारित आम चुनावों को लेकर कोई अनिश्चितता नहीं है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने खैबर में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को संबोधित करने के लिए गुरुवार को एक बैठक बुलाई थी। सुरक्षा बैठक के बाद, एजाज ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में आतंकवादी हमलों में हालिया वृद्धि के बावजूद, घोषित तिथि पर चुनाव होने में कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। चाहे कुछ भी हो जाए। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि चुनाव 8 फरवरी को हों। चुनाव होने में केवल एक सप्ताह शेष रहने के कारण, देश आतंकवादी समूहों द्वारा हमलों के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। अज्ञात बंदूकधारियों ने केपी में हिंसा से ग्रस्त क्षेत्र, बाजौर जिले के सिद्दीकाबाद इलाके में रेहान ज़ेब खान की हत्या कर दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने नेशनल असेंबली के लिए मृत उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की घोषणा की।

ज़ेब खान की हत्या बलूचिस्तान के सिबी शहर में पीटीआई की रैली में बम विस्फोट के एक दिन बाद हुई, जिसके परिणामस्वरूप चार लोग मारे गए और छह घायल हो गए। इससे पहले पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो सीटों के लिए नामांकन पत्रों की अस्वीकृति को चुनौती देने वाली याचिका वापस कर दी है। शीर्ष अदालत ने याचिकाओं में खामियों को दूर करने का भी निर्देश दिया। जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख खान के पंजाब प्रांत के लाहौर और मियांवाली जिलों में नेशनल असेंबली के दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र पिछले महीने ''नैतिक आधार और तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने'' के कारण खारिज कर दिए गए थे।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान के खिलाफ जारी है पुलिस का एक्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खिलाफ कार्रवाई कर सादे लिबास में पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने इसके मुख्यालय पर कथित तौर पर छापा मारा तथा पार्टी के सदस्यों को परिसर में प्रवेश करने से रोका। रिपोर्ट में बताया कि यह छापेमारी खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के मामले में 14-14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाने के एक दिन बाद हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्रवाई इस्लामाबाद के सेक्टर जी-8 में इमरान की पार्टी की बैठक से ठीक पहले की गई है। हालांकि, पार्टी ऑनलाइन माध्यम से बैठक करने में सफल रही, जिसमें इसने एक पखवाड़े के भीतर संगठनात्मक चुनाव कराने का फैसला किया। वहीं, इस्लामाबाद पुलिस के अधिकारी ने आरोप से इंकार कहा कि मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना छापेमारी नहीं की जा सकती और ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस टीम सुरक्षा प्रदान करने के लिए वहां गई थी। अधिकारी ने कहा, ''इमरान और बुशरा बीबी के खिलाफ अदालत का फैसला आने के चलते वहां विरोध प्रदर्शन होने की आशंका थी। पुलिस ने पार्टी मुख्यालय में प्रवेश नहीं किया और बाहर ही रही। पार्टी के एक नेता ने कहा, ''इस्लामाबाद में पुलिस सादे लिबास वाले लोगों के साथ पार्टी मुख्यालय पहुंची, गार्ड को हटा दिया और परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया।

युद्ध शुरू नहीं करेगा ईरान, धमकाने वालों को जवाब जरूर देंगे, राष्ट्रपति रायसी ने किया साफ

तेहरान (एजेंसी)। पिछले महीने ईरान समर्थित समूह द्वारा जॉर्डन में अपने बेस पर हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने के बाद अमेरिका कैसे जवाबी कार्रवाई कर सकता है, इसकी अटकलों के बीच, ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश युद्ध शुरू नहीं करेगा, बल्कि 'कड़ी प्रतिक्रिया देगा' 'जिस किसी ने भी इसे धमकाने की कोशिश की। सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए गुरुवार को बताया कि वाशिंगटन ने इराक और सीरिया में ईरानी कर्मियों और उन देशों में सुविधाओं सहित कई लक्ष्यों के खिलाफ बहु-दिवसीय हमलों की योजना को मंजूरी दे दी है। रायसी ने एक टेलीविजन भाषण में कहा कि हम कोई युद्ध शुरू नहीं करेंगे, लेकिन अगर कोई हमें धमकाना चाहता है तो उन्हें कड़ी प्रतिक्रिया मिलेगी।

रायसी ने कहा कि इससे पहले, जब वे (अमेरिकी) हमसे बात करना चाहते थे, तो उन्होंने कहा कि सैन्य विकल्प मेज पर है। अब वे कहते हैं कि उनका ईरान के साथ संघर्ष का कोई इरादा नहीं है। रायसी ने कहा कि क्षेत्र में इस्लामिक गणराज्य की सैन्य शक्ति किसी भी देश के लिए खतरा नहीं है और न ही कभी रही है। बल्कि, यह सुरक्षा सुनिश्चित करती है जिस पर क्षेत्र के देश भरोसा कर सकते हैं और भरोसा कर सकते हैं। चार अमेरिकी अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि

अमेरिका ने आकलन किया है कि जिस ड्रोन ने उसके तीन सैनिकों को मार डाला और 40 से अधिक लोगों को घायल कर दिया, वह ईरान द्वारा बनाया गया था। सूत्रों ने कहा कि ईरान के विशिष्ट रिवोल्यूशनरी गार्ड वरिष्ठ अधिकारियों को सीरिया से बाहर निकाल रहे हैं। ईरानी सलाहकार इराक, जहां अमेरिका के पास लगभग 2,500 सैनिक हैं, और सीरिया, जहां उसके 900 हैं, दोनों में सशस्त्र समूहों की सहायता करते हैं।

अब कनाडा में निज्जर के करीबी हरदीप सिंह के घर पर फायरिंग, खालिस्तान समर्थक समूह भारत पर हुआ आग-बबूला

लंदन। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर के एक सहयोगी के आवास पर कई गोलियां चलाई गईं, जिनकी 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में हत्या कर दी गई थी। कनाडाई मीडिया ने जिस आवास को निशाना बनाया गया उसके मालिक की पहचान सिमरनजीत सिंह के रूप में की। घटना गुरुवार तड़के हुई और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि घर के साथ-साथ घर पर खड़ी एक कार को गोलियों से छलनी कर दिया गया। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की सरे टुकड़ी ने दक्षिण सरे में एक आवास पर गोलीबारी की घटना की पुष्टि की। एक विज्ञप्ति में सरे आरसीएमपी ने कहा कि 1 फरवरी को, लगभग 1:21 बजे, उसे एक आवास पर गोलीबारी की सूचना मिली और फ्रंटलाइन अधिकारी 'घटनास्थल पर गए और गोलीबारी से जुड़े सबूत पाए। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सरे आरसीएमपी का प्रमुख अपराध अनुभाग जांच कर रहा है। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह एक अलग घटना थी, विज्ञप्ति में कहा गया है कि अधिकारी अभी भी इस घटना के मकसद का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। हालाँकि, खालिस्तान समर्थक समूह पहले ही आरोप लगा चुके हैं कि हमले के पीछे भारत का हाथ है क्योंकि सिंह ने 26 जनवरी को वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने में मदद की थी।

भारतीयों के लिए अमेरिका में रोजगार पाना होगा और भी महंगा

- वर्ष 2016 के बाद पहली बार शुल्क बढ़ाई जा रही है, जो एक अप्रैल से लागू होगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने भारतीयों के बीच सबसे लोकप्रिय एच-1बी, एल-1 और ईबी-5 जैसे गैर-आप्रवासी वीजा की विभिन्न श्रेणियों के लिए शुल्क में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। वर्ष 2016 के बाद पहली बार फीस बढ़ाई जा रही है, जो एक अप्रैल से लागू होगी। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस नीति पर निर्भर हैं। अमेरिकी सरकार ने 1990 में ईबी-5 कार्यक्रम की शुरुआत की थी जो विदेशी निवेशकों को अमेरिकी व्यवसाय में न्यूनतम 5,00,000 अमेरिकी डॉलर का निवेश करके अपने और अपने परिवार के लिए अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। ईबी-5 कार्यक्रम 10 अमेरिकी कामगारों को नौकरियां देने में मदद करता है। एक अप्रैल से लागू होने जा रहे नए शुल्क दर के अनुसार फॉर्म आई-129 के तहत एच-1बी आवेदन वीजा शुल्क 460 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 780 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। एच-1बी पंजीकरण शुल्क अगले साल से 10 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 215 अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। हाल ही में जारी की गई एक संघीय अधिसूचना के अनुसार एल-1 वीजा का शुल्क 460 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 1,385 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है और निवेशक वीजा के रूप में लोकप्रिय ईबी-5 वीजा का शुल्क 3,675 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 11,160 अमेरिकी डॉलर हो गया है। एल-1 वीजा अमेरिका में एक गैर-आप्रवासी श्रेणी का वीजा है। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने विदेशी कार्यालयों से कुछ कर्मचारियों को अस्थायी रूप से अमेरिका में काम करने के लिए स्थानांतरित करने की अनुमति देता है। गृह सुरक्षा विभाग ने अपने संघीय अधिसूचना में कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) द्वारा इस्तेमाल फॉर्म एवं शुल्क ढांचे में बदलावों के साथ शुल्क समायोजन के आधार पर शुद्ध लागत, लाभ और हस्तांतरण भुगतान होगा।

हम करेंगे सहायता...भारत ने की मालदीव को दी जाने वाली मदद में की कटौती, दुनिया से भीख मांगने वाले पाक ने कर दी छोटा मुंह बड़ी बात

इस्लामाबाद (एजेंसी)। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने मालदीव को हिंद महासागर में द्वीप राष्ट्र की अत्यावश्यक विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने समर्थन का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान, पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर-उल हक काकर ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इसमें कहा गया है कि मुइज्जू को मालदीव की तत्काल विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तानी सरकार के समर्थन का भी आश्वासन दिया गया है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों की शीर्ष प्राथमिकताओं पर चर्चा की और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि काकर ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के मालदीव के प्रयासों को अपना समर्थन और सहायता भी दी। मालदीव ने 26 जुलाई, 1966 को पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान जहां चीन का करीबी सहयोगी है, वहीं राष्ट्रपति मुइज्जू को बीजिंग समर्थक भी माना जाता है।

बता दें कि देश चुनाव में जाने वाला है। पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. गुडलक जोनाथन के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल की 13 सदस्यीय पर्यवेक्षक टीम देश की चुनावी प्रक्रिया का स्वतंत्र और व्यापक मूल्यांकन करने आएगी। राष्ट्रमंडल सचिवालय के मीडिया और जनसंपर्क मामलों के प्रभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। पाकिस्तान में आम चुनाव के तहत आठ फरवरी को मतदान होगा और करीब 12.8 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

सोवियत संघ के ये एस्ट्रोनॉट जिन्हें धरती पर लौटने से रोका गया

मास्को। अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट एक खास काम के लिए भेजे जाते हैं। वे कब तक अंतरिक्ष में रहने वाले, क्या करने वाले हैं, ये सबकुछ पहले से तय होता है। लेकिन दुनिया में एक अंतरिक्ष यात्री भी हुए, जिन्हें धरती पर आने से रोक दिया गया। महीनों तक वे अंतरिक्ष में फंसे रहे। हम बात कर रहे सोवियत संघ के अंतरिक्ष यात्री सर्गेइ क्रिकालेव की। क्रिकालेव 18 मई, साल 1991 को सोयूज स्पेस क्राफ्ट में बैठकर पांच महीने के लिए एमआईआर स्पेस स्टेशन गए थे। उनके साथ सोवियत संघ के ही एक अन्य वैज्ञानिक अनातोली अर्टेबार्स्की और ब्रितानी वैज्ञानिक हेलेन शरमन भी गई थीं। क्रिकालेव का काम कुछ कलपुर्जों को ठीक करके स्टेशन में सुधार लाना था। अंतरिक्ष में वे सबकुछ ठीक ठाक कर रहे थे, लेकिन धरती पर काफी कुछ बदल चुका था। यहां सोवियत संघ का बिखराव होने लगा। जब क्रिकालेव अंतरिक्ष में थे, यहां सोवियत संघ पूरी तरह बिखर चुका था। फिर जब उनके धरती पर लौटने का समय आया तब उन्हें संदेश देने वाला कोई नहीं था। नतीजा, क्रिकालेव कई महीनों के लिए अधर में लटक गए। क्रिकालेव को पहले से तय समय के मुकाबले दोगुना वक्त अंतरिक्ष में गुजारना पड़ा। जब 10 महीने का समय अंतरिक्ष में गुजारकर वे धरती पर लौटे तब उनके देश का नाम दुनिया के नक्शे से मिट चुका था। इसकारण उन्हें सोवियत संघ का अंतिम नागरिक भी माना जाता है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी कई मिसाइलें, आखिर क्या चाहते हैं किम जोंग उन?

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को समुद्र में क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। यह 2024 में उत्तर कोरिया का चौथा क्रूज मिसाइल परीक्षण था। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण उसके नेता किम जोंग उन द्वारा पश्चिमी तट पर नम्फो में एक शिपयार्ड में अनिर्दिष्ट नौसैनिक परियोजनाओं का निरीक्षण करने के कुछ घंटों बाद हुआ। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उसने कई मिसाइलों का पता लगाया है लेकिन उसने तुरंत कोई विशिष्ट संख्या या उनकी उड़ान विशेषताओं का आकलन नहीं दिया है। इसके ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाएं पश्चिमी समुद्र में उत्तर कोरियाई मिसाइल प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रही हैं।

ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका के साथ तनाव के बीच हुए हैं। हाल के महीनों में, किम ने परमाणु-सशस्त्र नौसेना बनाने के उत्तर के प्रयासों पर प्रकाश डाला है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने किम के शब्दों में कहा कि उनके नौसैनिक बल को मजबूत करना देश की समुद्री संप्रभुता की रक्षा करने और युद्ध की तैयारियों को आगे बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। केसीएनए ने नम्फो में बनाए जा रहे युद्धपोतों के प्रकार को निर्दिष्ट नहीं किया, लेकिन कहा कि वे 2021 की शुरुआत में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस के दौरान निर्धारित पांच साल की सैन्य विकास योजना से संबंधित थे।

2021 की बैठकों में किम ने उन्नत सेना की एक व्यापक इच्छा सूची का खुलासा किया संपत्ति, जिसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां और परमाणु मिसाइलें शामिल थीं जिन्हें पानी के नीचे से लॉन्च किया जा सकता है। नाम्फो में अपने निरीक्षण के दौरान किम ने अपनी नौसैनिक परियोजनाओं की प्रगति और शेष तकनीकी चुनौतियों की जाँच की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को 2025 तक चलने वाली योजना की समय सीमा के भीतर प्रयासों को बिना शर्त पूरा करने का आदेश दिया।

बर्फ की चादर चीरते हुए चली ट्रेन, वीडियो हुआ वायरल

श्रीनगर। बर्फ को चीरते हुए एक ट्रेन पटरी पर चल रही है। आसपास बर्फ की सफेद चादर ने उसे और खूबसूरत बना दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को खूब शेयर किया जा रहा है। यहां तक की खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो शेयर किया है। इसमें एक ट्रेन को क्षेत्र की बर्फीली घाटी से गुजरते हुए दिखाया गया है। इस वीडियो में आप जम्मू-कश्मीर के बनिहाल-बारामूला में बर्फ से लदी घाटी से गुजरती ट्रेन का एक मनोरम दृश्य देख सकते हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए रेल मंत्री ने कैप्शन में लिखा- कश्मीर की वादियों में स्नोफॉल। अगर आप भी इस मौसम में कहीं घूमने की योजना बना रहे हैं, तो बरामूला-बनिहाल खंड पर ट्रेन यात्रा आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह यात्रा आपको न सिर्फ प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू कराएगी, बल्कि आपको घाटी में बर्फबारी का आनंद भी मिलेगा। दुनियाभर से पर्यटक कश्मीर घूमने की ख्वाहिश रखते हैं। यह जगह सर्दियों में और भी खूबसूरत हो जाती है जब यह क्षेत्र बर्फ की खूबसूरत सफेद चादर से ढक जाता है। इस अद्भुत दृश्?य की एक झलक पाने के लिए लोग वहां हफ्तों बिताना पसंद करते हैं। इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक घाटी में बर्फबारी का आनंद उठाने के लिए पहुंच रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर बर्फ के बीच ट्रेन गुजरने का वीडियो वायरल हो गया है। दूसरे सेक्टर्स की तरह अंतरिम बजट में रेलवे के लिए भी ऐलान किए गए हैं। अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 3 प्रमुख आर्थिक रेल कॉरिडोर कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि रेलवे कॉरिडोर प्रोग्राम की पहचान पीएम गति शक्ति के तहत की गई है।

संजय सिंह की याचिका पर ईडी जबाव दाखिल करे, सुनवाई आज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने और मौजूदा संसद सत्र में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने संजय की अर्जी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर केंद्रीय जांच एजेंसी को तीन फरवरी तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सिंह ने अर्जी में 4 से 10 फरवरी तक अंतरिम जमानत का अनुरोध किया है। अदालत ने कहा, ''यह पाया गया है कि मुख्य मामला पहले से ही तीन फरवरी, 2024 को अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैज्इस अर्जी पर ईडी के जांच अधिकारी, विशेष लोक अभियोजक को नोटिस जारी किया जाता है। सिंह पिछले महीने दूसरे कार्यकाल के लिए दिल्ली से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए थे। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि सिंह ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को आर्थिक लाभ हुआ। सिंह ने आरोपों से इनकार किया है। आप ने आरोप लगाया है कि उसके नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

12 फरवरी को बजट सत्र के पहले दिन विश्वास मत हासिल करेगी नीतिश सरकार

पटना । बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 12 फरवरी को बजट सत्र के पहले दिन विश्वास मत हासिल करेगा। इस मामले पर एक संशोधित अधिसूचना से यह जानकारी मिली। इसके पहले, नीतिश सरकार 10 फरवरी को विश्वास मत हासिल करने वाली थी। हालांकि, एक नई अधिसूचना के अनुसार, सत्र अब 12 फरवरी से शुरू होगा जिसमें दोनों सदनों के सदस्यों के संयुक्त सत्र में राज्यपाल का संबोधन भी होगा। जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने 28 जनवरी को नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कुमार ने महागठबंधन और विपक्षी गुट 'इंडिया' से नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ एक नयी सरकार बनाई। नए विधानसभाध्यक्ष का चुनाव भी 12 फरवरी को निर्धारित है और इसी दिन राज्य आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अवध बिहारी चौधरी के स्थान पर नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

ज्ञानवापी विवाद पहुंचा इलाहाबाद हाईकोर्ट

वाराणसी। ज्ञानवापी तहखाने में हिन्दू पक्ष को पूजा की अनुमति के खिलाफ इंतजामिया कमेटी भी हाईकोर्ट पहुंच गई है। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिण पूर्वी तहखाने में वाराणसी जिला अदालत के मंदिर पक्ष को पूजा करने की अनुमति देने के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। हालांकि जिला जज के आदेश के बाद व्यास जी तहखाने में गुरुवार भोर से ही पूजा अर्चना शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार व्यास तहखाने में 5 बार आरती होगी और सुबह 3.30 पर मंगला आरती होगी। इसके बाद दोपहर भोग आरती होगी। इसके बाद दोपहर शाम 4 बजे, शाम 7 बजे आरती होगी। इसके बाद शयन आरती रात 10.30 पर होगी। गुरुवार को सुबह से ही आरती के साथ- साथ पूजा पाठ शुरू हो गया है। यहां हजारों की संख?या में श्रद्धालुओं ने भी दर्शन किए हैं। इसके लिए इंतजामिया मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता सीनियर एडवोकेट सैयद फरमान अहमद नकवी ने अर्जी दाखिल की है। याचिका दाखिल कर जिला जज वाराणसी अजय कृष्ण विश्वेश के आदेश को चुनौती दी है। मस्जिद पक्ष की याचिका में जिला जज वाराणसी के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है।

शिअद की पंजाब बचाओ यात्रा पर सीएम मान का तंज, पंजाब को डुबाने वाले पंजाब बचाओ यात्रा निकाल रहे

नई दिल्ली। पंजाब की प्रमुख विपक्षी पार्टी शिरोमणि अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा एक फरवरी को अटारी में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से शुरू किया गया। शिअद की पंजाब बचाओ यात्रा एक महीने तक चलेगी और राज्य के 43 जिलों को कवर करेगी। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल ने श्रीअकाल तख्त साहिब पर माथा टेकने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यात्रा शुरू की। वहीं यात्रा पर सवाल उठाकर प्रदेश के मुख्यमंभी भगवंत मान ने निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में 20 साल तक कैप्टन और बादल ही सत्ता में थे। कैप्टन का राज जाता था, तब बादल का राज आता था। बादल का राज जाता था, तब कैप्टन का आ जाता था। सीएम मान ने कहा, इनकी सत्ता ने लोगों के चेहरे से नूरी उड़ाकर रख दी, लोग रोजगार की तलाश में बाहर जाने लगे, इन्होंने बारी बांट रखी थी 5-5 साल प्रदेश को लूटने की। वहां आज पंजाब बचाओ यात्रा निकाल रहे हैं। पंजाब को डुबाने वाले आज पंजाब बचाओ यात्रा निकाल रहे हैं। हम पंजाब को किससे बचाएं? लुटा तब आपने है। मैं सांसद था उस टाइम से कह रहा हूं कि अच्छे-बुरे को पहचानो। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अलग-अलग सरकारी विभागों में भर्ती के लिए 518 युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र बांटे। वहीं सीएम मान ने पंजाब के युवाओं को अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की भी सलाह दी उन्होंने कहा कि सरकार आपकी हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अब तक 664 आम आदमी क्लीनिक से दवा लेकर 1 करोड़ लोग ठीक हो चुके हैं। 150 और क्लीनिक तैयार हैं। इसके साथ ही 13 और स्कूल ऑफ एमिनेंस 20 फरवरी तक तैयार हो जाएंगे। अब स्कूल, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और उप-तहसील उद्घाटन हो रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि आपने एक ईमानदार सरकार चुनी है।

400 से अधिक धाराएं... उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने की तैयारी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की दिशा में अहम प्रगति हुई है। मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में यूसीसी समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई ने मसौदा समिति के सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को यूसीसी मसौदा रिपोर्ट सौंपी।

धामी सरकार ने यूसीसी के लिए 27 मई 2022 को पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। ड्राफ्ट मिलने के बाद अब धामी सरकार शनिवार को होने वाली कैबिनेट मे मंजूरी देगी। माना जा रहा है कि धामी सरकार 6 फरवरी को यूसीसी को विधेयक के रूप में विधानसभा में पेश कर सकती है। देहरादून में यूसीसी कार्यालय पिछले तीन दिनों से प्रतिदिन 15 घंटे से अधिक काम कर रहा है। समिति के सदस्य दिन-रात रिपोर्ट तैयार करने में सक्रिय हैं। सूत्रों का कहना है कि मसौदे में 400 से अधिक धाराएं शामिल हो सकती हैं, जिसका लक्ष्य पारंपरिक रीति-रिवाजों से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को खत्म करना है।

मार्च 2022 में धामी सरकार गठन के तत्काल बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन को मंजूरी दे दी गई थी। बैठक बाद में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था। अगर लागू हुआ तब उत्तराखंड आजादी के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। गोवा में पुर्तगाली शासन के दिनों से ही यूसीसी लागू है।

यूसीसी के तहत प्रदेश में सभी नागरिकों के लिए एकसमान विवाह, तलाक, जमीन, संपत्ति और उत्तराधिकार के कानून लागू होने वाले हैं, चाहे वे किसी भी धर्म को मानने वाले हों। सेवानिवृत्त न्यायाधीश देसाई के अलावा यूसीसी विशेषज्ञ समिति में सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली, सामाजिक कार्यकर्ता मनु गौड़, उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह और दून विश्वविद्यालय की उप कुलपति सुरेखा डंगवाल भी शामिल हैं। इस समिति को कुल चार विस्तार भी दिए गए जिसमें से अंतिम बार इस जनवरी में 15 दिनों के लिए दिया गया।

दुनिया के ये पांच नास्तिक देश, शीर्ष स्थान पर भारत का पड़ोसी

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर बनने के साथ ही हिन्दू धर्म के लोगों में एक अलग ही उत्साह दिख रहा है। लोग अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन के लिए बेताब दिख रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कई देश हैं, जहां के लोग भगवान, को नहीं मानते। उन्हें इन पर कोई भरोसा नहीं। इन्हें सबसे नास्तिक देश माना गया है।

सबसे नास्तिक देश की बात करें तब पहले नंबर पर चीन आता है। वर्ल्ड जनसंख्या सर्वे 2023 के मुताबिक, यहां 91 फीसदी आबादी ईश्वर को नहीं मानती। कोई धर्म फॉलो नहीं करती। एक सर्वे में 61 फीसदी चीनि?यों ने ईश्वर के अस्तित्व को ही नकार दिया। वहीं, 29 फीसदी ने खुद को नास्तिक बताया। यहां पूर्वजों की शिक्षा का अनुसरण करने की परंपरा।

जापान दूसरे नंबर पर आता है। यहां 86 फीसदी लोग कि?सी धर्म को नहीं मानते और खुद को नास्तिक बताते हैं। 29 फीसदी लोगों का कहना है कि ईश्वर, गॉड या भगवान जैसी कोई चीज नहीं होती। यहां के लोग शिंतो धर्म का अनुसरण करते हैं। शिंतोइज्म को मानने वाले लोग ईश्वर जैसे दिव्य शक्ति में यकीन नहीं करते। स्वीडन नास्तिक देशों में तीसरे नंबर पर आता है। यहां के 78 फीसदी लोगों का किसी धर्म और किसी भगवान में कोई भरोसा नहीं। यहां बीते कुछ वर्षों में सेकुलरिज्म तेजी से बढ़ा है। सिर्फ 8 फीसदी लोग ही किसी धार्मिक संस्था से जुड़े हुए हैं। चौथे नंबर पर चेक गणराज्य है। यहां नास्तिकता 19वीं सदी से चली आ रही है, जब कम्युनिस्ट शासन के दौरान स्वतंत्र विचार में ज?यादा विकास देखा गया। सूची में पांचवें नबर पर ब्रिटेन है। यहां के 72 फीसदी लोगों ने खुद को अधार्मिक बताया। 13 फीसदी लोग हैं, जो खुद को नास्तिक मानते हैं। यहां नास्तिकता यूरोप के अन्य देशों की तुलना में कहीं ज्यादा है।

वाम दलों ने हजारों लोगों की हत्या की, मैं उनके साथ कभी गठबंधन नहीं करुंगी : ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन में शामिल वाम दलों के खिलाफ ममता बनर्जी के तेवर शांत नहीं हो रहे हैं। जिसके बाद इंडिया गठबंधन में टूट की आशंका बढ़ गई है। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर केंद्र से मोदी सरकार को बेदखल करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) या सीपीआई (एम) के साथ गठबंधन से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अपने शासन के दौरान विपक्षी कार्यकर्ताओं की हत्याएं कराने के लिए सीपीआई (एम) जिम्मेदार थी।

उन्होंने कहा, मैं आप सभी को आश्वस्त कर सकती हूं कि हम दिल्ली में सरकार बनाएंगे। हम केंद्र में सरकार कैसे बनाएंगे, यह हम लोकसभा चुनाव के बाद समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय दलों के साथ बातचीत के माध्यम से तय होगा।

वामदलों के साथ गठबंधन से इंकार कर उन्होंने कहा, सीपीआई (एम) ने सत्ता में रहकर लाखों लोगों की हत्या की थी। उन्होंने कई लोगों की जान ले ली और कई घरों को तबाह कर दिया। उन्होंने सिंगूर में तापसी मलिक को जिंदा जला दिया। लोगों को आग लगा दी गई और उनके शवों को नंदीग्राम की हल्दी नदी में फेंक दिया गया। हम कभी भी सीपीआई (एम) के साथ गठबंधन में नहीं जाएंगे।

ममता ने पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से इंकार कर कहा था कि उनकी पार्टी राज्य में अपने दम पर चुनाव लड़ने और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को हराने में काफी सक्षम है। वहीं, टीएमसी नेता और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस पर उंगली उठाकर सीट-बंटवारे की चर्चा में विफलता के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। बता दें कि विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे के एजेंडे पर विचार-विमर्श करने के लिए दिल्ली में हाल ही में बैठक की थी। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, द्रमुक नेता टीआर बालू और सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी शामिल थे। ममता बनर्जी ने खुद को कांग्रेस से दूर कर लिया है।

नौकरी के लिए इजरायल जाने का उत्साह, लग गईं लंबी कतारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बढ़ती बेरोजगारी का ही परिणाम है की युवा अपनी जान जोखिम में डालकर इजरायल में नौकरी करने के लिए उत्साहित हो रहे हैं। वजह ये है कि भारत में नौकरियों का टोटा है और जो निजी क्षेत्र में काम कर रहे हैं उनके वेतन से घर नहीं चल सकता। ऐसी ही मजबूरी के चलते युवा इजरायल में नौकरी हासिल करने के लिए ये मौका गंवाना नहीं चाहते है।हमास के साथ जारी जंग के बीच इजरायल ने बड़ी संख्या में नौकरियां निकाली हैं। इजरायल ने अच्छी तनख्वाह और सुविधाओं का ऑफर दिया है। देशभर के लोग इन भर्तियों में भाग लेने के लिए पहुंच रहे हैं।भर्ती केंद्रों के बाहर हजारों की भीड़ देखी जा रही है। एनएसडीसीआई यानी राष्ट्रीय कौशल विकास निगम इंटरनेशनल की ओर से यह भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक 31 जनवरी तक ही 5600 से ज्यादा लोगों की भर्ती पूरी हो चुकी है। इजरायल ने 10 हजार कुशल कामगारों की मांग की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक एक शख्स ने कहा कि वह इस समय 12 घंटे काम करके भी बमुश्किल 100 रुपये कमा पाता है। ऐसे में इजरायल की नौकरी उसके बड़े काम की है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों के लिए यह बड़ा अवसर है। विदेश में इतनी अच्छी सैलरी पर काम करके वह कई काम निपटा सकता है। उसको अपनी तीन बहनों की शादी भी करनी है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल एक अधिकारी के मुताबिक प्लास्टरिंग, बार बेंडिंग, टाइल रिपेयर और कारपेंट्री जैसे कामों के लिए स्किल टेस्ट लिया जा रहा है। बता दें कि युद्ध की वजह से इजरायल में कामगारों की कमी हो गई है। ऐसे में उसने भारत से लोगों को भेजने का आग्रह किया था। अब भर्ती की कतार में हरियाणा, पंजाब, यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश के हजारों लोग नजर आ रहे हैं। रोहतक के भर्ती केंद्र पर भी लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। यहां आए लोगों को कहना है कि इस नौकरी के लिए वह अपनी जान को हथेली पर रखकर भी जाने को तैयार हैं।

इजरायल की यह फर्ती बार बेंडर, राजमिस्त्री, मार्बल मिस्त्री, स्टटरिंग कारपेंटर जैसे कामों के लिए निकाली गई है। इसमें वेतन 1.37 रुपये मासिक होगा। इसके अलावा चिकित्सा बीमा, भोजन और रहने का इंतजाम भी किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक सभी को प्रति माह 16515 रुपये का बोनस भी मिलेगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत सिर्फ इजरायल ही नहीं बल्कि अन्य देशों को भी कुशल कामगार उपलब्ध करवाने को तैयार है। बता दें कि हमास से जंग के बीच इजरायल ने बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों का वर्क परमिट रद्द कर दिया है।

पीएम मोदी से मिले आचार्य कृष्णम, श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के करीबी आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें उत्तर प्रदेश के संभल में 19 फरवरी को आयोजित होने वाले श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के लिए आमंत्रित किया। पीएम मोदी से मुलाकात करने के बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, मुझे 19 फरवरी को होने वाले श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद। कांग्रेस नेता के पोस्ट का जवाब देकर पीएम मोदी ने कहा, आस्था और भक्ति से जुड़े इस पवित्र अवसर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आमंत्रण देने के लिए आपका हृदय से आभार आचार्य प्रमोद जी। कृष्णम ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लखनऊ से लड़ा था, लेकिन वह हार गए थे। पिछले कुछ समय से वह कांग्रेस नेतृत्व के कुछ फैसलों की आलोचना कर रहे हैं। कृष्णम ने 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेताओं के भाग नहीं लेने के फैसले की भी आलोचना की है।

कश्मीर में पारा लुढ़का, कुछ कस्बों में दर्ज की गई 16 वर्षों की सबसे सर्द रात

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में अनेक स्थानों पर बृहस्पतिवार रात को न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई और कुछ कस्बों में यह बीते 16 वर्षों की सबसे सर्द रात रही।अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो एक रात पहले दर्ज किये गये न्यूनतम तापमान (शून्य से नीचे 7.6 डिग्री सेल्सियस) से चार डिग्री से भी अधिक कम है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटन रिसॉर्ट में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग और काजीगुंड दोनों शहरों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारी घाटी में केवल छह प्रमुख मौसम केंद्रों के आंकड़ें जारी करते हैं। वहीं, मौसम का पूर्वानुमान जारी करने वाली निजी संस्था ने दावा किया कि कश्मीर में कोकेरनाग का लारनू सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान शून्य से नीचे 17.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद सबसे ठंडा स्थान श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर सोनमर्ग रिसॉर्ट था जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ईडी के पांचवे समन के बाद भी हाजिर होने को तैयार नहीं हैं केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार ईडी के समन की अनदेखी कर रहे हैं। उन्हे पांचवी बार नोटिस दिया गया है लेकिन वे ईडी का सामना करने से बच रहे हैं।

दिल्ली शराब कांड में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज यानी 2 फरवरी को भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। आम आदमी पार्टी ने लिखित बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि अरविंद केजरीवाल आज भी ईडी दफ्तर पूछताछ में शामिल होने नहीं जाएंगे। आम आदमी पार्टी ने ईडी के समन को गैर कानूनी बताया और कहा कि हम कानूनी रूप से सही समन की तामील करेंगे। इससे पहले भी चार समन को वह इग्नोर कर चुके हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल, पिछले साल दो नवंबर, 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी तथा 18 जनवरी को ईडी के समक्ष उपस्थित होने के लिए जारी उसके समन को टाल चुके हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि उसकी कानूनी टीम धन शोधन मामले से जुड़ी आबकारी नीति के सिलसिले में केजरीवाल को जारी समन का अध्ययन कर रही है। इस बीच चंडीगढ़ महापौर चुनाव में कथित धांधली के विरोध में अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले हैं। पिछले चार समन को इग्नोर करने वाले अरविंद केजरीवाल ने जांच एजेंसी के इन नोटिस को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 'अवैध' करार दिया था. आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी नीति में कुछ शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी आरोपों का बार-बार इसका खंडन करती रही है। बाद में इस नीति को वापस ले लिया गया और दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की सिफारिश की थी । इसके बाद ईडी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।बता दें कि ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल को एक नया और पांचवां समन जारी किया था। इससे पहले पिछले चार महीनों में वह संघीय एजेंसी द्वारा चार समन को टाल चुके हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी इस बारे में चुप्पी साधी हुई है कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होंगे. वहीं पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी समन टाले जाने की संभावना है।

झामुमो के सांसद का दावा-भाजपा से मिले ऑफर को ठुकराने का नतीजा है हेमंत का जेल जाना

दुमका (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद विजय हांसदा ने बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में सिर्फ इसलिए डाल दिया गया कि उन्होंने भाजपा के ऑफर को ठुकरा दिया था। हालांकि बड़ी बात ये है कि झारखंड की जनता काफी समझदार है,वो सभी तरह की साजिश को समझती है इसलिए जितने ज्यादा दिन उन्हे जेल में रखा जाएगा उतना ही भाजपा को नुकसान होगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा का जन्म ही आंदोलन से हुआ है। इसलिए यहां हर एक झारखंडी टेंपरामेंट रखता है।

सांसद ने आगे कहा कि अभी के राजनीतिक हालात में उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री स्व।अटल बिहारी वाजपेयी की वह पंक्तियां याद आ रही हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आज हम संख्या में कम हैं तो हम पर हंसा जा रहा है। सत्ता मद में चूर भाजपा की वर्तमान सरकार स्व।अटल की यह वाणी को भूलकर आज संख्या बल के दबिश पर दबाव, पेशकश और जनमत की चुनी हुई सरकारों को धोखे से गिराकर सत्ता हथियाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता यह सब देख रही है और समझ भी रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह दिखा दिया है कि कम संख्या बल है तो क्या वह झारखंडी और आदिवासी का टेंपरामेंट रखते हैं। विजय हांसदा ने कहा कि आज वह भले ही हम पर हंस रहे हैं, लेकिन फिर वक्त बदलेगा और प्रजातंत्र कायम होगा। हेमंत को ईडी जितना दिन बंद रखेगी उसका उतना ही व्यापक खामियाजा आने वाले चुनाव में भाजपा को भुगतना होगा।

झामुमो के 45वें स्थापना दिवस के लिए दुमका का गांधी मैदान सज-धज कर तैयार हो चुका है। पूरे मैदान को दुल्हन की तरह सजाया गया है। ईडी का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर शिकंजा कसे जाने के बाद कार्यकर्ताओं में मायूसी है, लेकिन उनके उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। इस बार झामुमो नेता हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में स्थापना दिवस की रैली सांसद विजय हांसदा, पूर्व विधायक शशांक शेखर भोक्ता की अगुवाई में पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं की रैली पारंपरिक वेशभूषा व ढोल-टमाके के साथ एसपी कॉलेज मैदान से निकलेगी। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए यह रैली दुमका के गांधी मैदान में आकर सभा में तब्दील हो जाएगी। इस मौके पर पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, संताल परगना के सभी जिला अध्यक्ष, सचिव समेत पार्टी पदाधिकारी के अलावा ग्राम प्रधान, मुखिया, परगनैत, गुड़ित, पराणिक समेत परंपरागत शासन व्यवस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के शहीदों की वेदी पर श्रद्धांजलि व स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

झामुमो नेता व पूर्व स्पीकर शशांक शेखर भोक्ता गांधी मैदान पहुंचे और पूरी तैयारियों का जायजा लेने के बाद कहा कि झामुमो इस माटी की पार्टी है। केंद्र व भाजपा की साजिश को पूरे देश की जनता देख रही है। ईडी की कार्रवाई से पार्टी कार्यकर्ता हतोत्साहित होने के बजाए ज्यादा उत्साहित हैं। इनका उत्साह दो फरवरी को गांधी मैदान में दिखेगा। सांसद विजय हांसदा ने कहा कि इस बार का दो फरवरी ऐतिहासिक होगी। झामुमो अपने पुराने तेवर में स्थापना दिवस मनाएगा। पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन के संदेशों को सुनेंगे और संकल्प लेकर ही वापस लौटेंगे। विजय ने कहा कि पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता हेमंत सोरेन है। उन्हें यह एहसास है कि राजनीति विद्वेष कर झामुमो पर प्रहार किया जा रहा है। उनके नेता हेमंत सोरेन को कानूनी दांव-पेंच में फंसा कर आदिवासी, मूलवासी, गरीब-गुरबों से दूर करने की कोशिश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिंग रोड ब्रिज पर गलत साइड में डिवाइडर कुदाकर पुलिस चेक पोस्ट में घुसी कार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रिंग रोड ब्रिज पर ड्राइवर हुआ बेकाबू, एक्टिवा ड्राइवर को टक्कर मारी और पूरी कार ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में घुसा दी।

चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया, अगर डिवाइडर न होता तो बड़ा हादसा हो जाता

सूरत में अक्सर दुर्घटना के मामले सामने आते रहते हैं। देर रात रिंग रोड फ्लाय ओवर ब्रिज

पर डिवाइडर कुदाकर गलत साइड घुसे एक चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और एक एक्टिवा चालक को टक्कर मारते हुए पूरी कार ब्रिज पर बने ट्रैफिक पुलिस पोस्ट में घुसा दी। कार के अगले बोनट, टायरों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। जबकि एक्टिवा चालक और कार चालक भी घायल हो गए।

ब्रेजा कार क्रमांक जीजे ५ आरएफ ९०५६ का चालक सूरत में रेलवे स्टेशन से रिंग रोड फ्लाय ओवर ब्रिज पर पूरी रफ्तार से जा रहा था। इसी दौरान पुल पर पूरी रफ्तार से जा रही कार से उसने नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार डिवाइडर के गलत साइड में जा घुसी और सामने से आ रहे एक्टिवा चालक को चपेट में ले लिया।

एक्टिवा चालक को टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रुकी। कार पुल पर ही बने ट्रैफिक पुलिस चेकपॉइंट से जा टकराई। कार इतनी स्पीड में थी कि अगर पुल पर डिवाइडर न होता तो कार के ३० से ४० फीट नीचे गिरने की आशंका थी। इस हादसे में कार के अगले दोनों टायर और बोनट को भारी नुकसान पहुंचा है।

कार के ट्रैफिक पुलिस पोस्ट में घुसने से ट्रैफिक पुलिस पोस्ट भी क्षतिग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में एक्टिवा चालक घायल हो गया और उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं ड्राइवर के चेहरे पर भी चोटें आईं, उसका भी इलाज कराया गया।

सलाबतपुरा पुलिस के मुताबिक रात को इस कार का एक्सीडेंट हो गया। इसके बाद एक्टिवा चालक और कार चालक दोनों को इलाज के लिए ले जाया गया। इसके बाद एक्टिवा चालक का बयान लिया गया और शिकायत दर्ज करने का प्रयास किया गया।

गुजरात का बजट उद्योग के लिए विकासोन्मुख और समाज के विकास के लिए स्वागत योग्य : चैंबर ऑफ कॉमर्स

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कपड़ा नीति के तहत १६०० करोड़ और आत्मनिर्भर एमएसएमई योजना के तहत १५५० करोड़ आवंटित, कपड़ा उद्योग में सब्सिडी बैकलॉक का जल्द समाधान की उम्मीद: रमेश वघासिया

बजट में ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स के लिए ८४.३ करोड़ रुपये के प्रावधान के बाद सूरत में स्थापित सोलर पैनल निर्माण व्यवसाय को विकास की तेज गति मिलेगी

सूरत। गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने २ फरवरी २०२४ को विधानसभा में वर्ष २०२४-२५ के लिए एक नया कर-मुक्त बजट प्रस्तुत किया। ३ लाख ३२ हजार ४६५ करोड़ के कुल बजट में जहां मौजूदा कर ढांचे में किसी बदलाव की घोषणा नहीं की गई है, वहीं दक्षिणीा गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गुजरात सरकार के इस बजट को उद्योग और व्यापार के लिए विकासात्मक और स्वागत योग्य बताया है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने उद्योग और खनन विभाग के लिए ९.८ करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जिससे सूरत सहित दक्षिण गुजरात के साथ-साथ पूरे गुजरात में स्थापित उद्योग तेज गति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इसके अलावा, सूरत सहित पूरा दक्षिण गुजरात कपड़ा और एमएसएमई का केंद्र है, जबकि वित्त मंत्री ने कपड़ा नीति के तहत १६०० करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है। जबकि आत्मनिर्भर एमएसएमई योजना के तहत १५५० करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। जिससे उम्मीद है कि कपड़ा उद्योग में सब्सिडी बैकलॉक का फैसला जल्द आएगा। जब नई कपड़ा नीति की घोषणा होगी तब भी इस फंड का इस्तेमाल इसमें होने की उम्मीद है।

बजट में शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण के लिए २१,६९६ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने शहरी विकास में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए स्वर्णिम जयंती शहरी विकास योजना के तहत ८६३४ करोड़ रुपये की घोषणा की है। जिससे निर्माण क्षेत्र एवं इंजीनियर एवं संबंधित क्षेत्रों का विकास होगा। वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट के बाद पूरे गुजरात में निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

बिजली और पेट्रोकेमिकल के लिए ८४२३ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें सौर छत के लिए ९९३ करोड़ रुपये शामिल हैं। जिससे सूरत में स्थापित सोलर पैनल निर्माण व्यवसाय को विकास की तेज गति मिलेगी। साथ ही सोलर ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर को भी इससे फायदा होगा। स्मार्ट बिजली मीटर के लिए १२८५ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। तटीय और आदिवासी क्षेत्रों में नए सब-स्टेशन स्थापित करने के लिए ३८० करोड़ रुपये रखे गए हैं, जिससे इन क्षेत्रों में नए उद्योगों के विस्तार के नए अवसर पैदा होंगे।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग के लिए २२,१९४ करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जबकि दक्षिण गुजरात की बेल्ट कृषि क्षेत्र में अग्रणी है, बजट में किए गए

प्रावधान से दक्षिण गुजरात में कृषि उत्पादन बढ़ेगा और खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से उत्पादों के भंडारण की सुविधा बढ़ेगी। इस तरह सूरत समेत दक्षिण गुजरात से कृषि उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े विभिन्न उत्पादों का निर्यात दोगुनी गति से होगा।

बजट में जहां पर्यटन, तीर्थस्थान और नागरिक उड्डयन के लिए २०९८ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, वहीं सूरत समेत पूरे दक्षिण गुजरात में पर्यटन स्थलों के विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के लिए २४२१ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। बंदरगाह एवं परिवहन विभाग के लिए ३८५८ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। जिससे राज्य से विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए लॉजिस्टिक्स बढ़ाने और इसके लिए बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में तेजी आएगी। जलवायु परिवर्तन के लिए ११६३ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

आज की युवा पीढ़ी समाज, राज्य और देश का भविष्य है, वहीं वित्त मंत्री ने शिक्षा विभाग के लिए सबसे ज्यादा ५५,११४ करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। इससे विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल के साथ उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा उद्योग के विकास के लिए आवश्यक कुशल कार्यबल तैयार करने और इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने में मदद मिलेगी।

बजट में महिला एवं बाल विकास के लिए ६८८५ करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इस बजट में युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नमो लक्ष्मी, नमो श्री और नमो सरस्वती योजना की भी घोषणा की गई है। महिला उद्यमी उद्योग में कदम रखेंगी और महिला हितधारकों का अनुपात बढ़ेगा। अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं की संख्या बढ़ेगी और वे उद्यमी और पैर जमाने में अहम भूमिका निभाएंगी। राज्य सरकार के बजट में युवाओं, महिलाओं और किसानों के साथ-साथ उद्योगों को प्राथमिकता दी गई है।

इसके अलावा गिफ्ट सिटी और इसके आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए भी बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। गिफ्ट सिटी को ९०० से ३३०० एकड़ तक विस्तारित कर ग्रीन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। दुनिया भर में गिफ्ट सिटी की पहचान 'सपनों के शहर' के रूप में स्थापित करने के लिए, गिफ्ट सिटी में एक फिनटेक हब स्थापित किया जाएगा और बजट में इसके लिए करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

गुजरात बजट में लैबग्रोन डायमंड इंडस्ट्री के लिए बड़ा ऐलान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात सरकार ने लैबग्रोन डायमंड के विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए अगले साल के बजट में कुल ७ करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्री के ऐलान के बाद लैबग्रोन डायमंड इंडस्ट्री में एक बार फिर खुशी की लहर है। सरकार के प्रोत्साहन से व्यवसायियों में प्रयोगशाला में विकसित हीरा (लैबग्रोन डायमंड) उद्योग को पूरी गति से विकसित होने का विश्वास जगा है।

उद्यमियों ने विश्व स्तर पर पहुंचना शुरू कर दिया है, सूरत का भविष्य बहुत उज्ज्वल और शानदार:अजय कुमार तोमर

सेवानिवृत्त सूरत पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर का सम्मान समारोह एसजीसीसीआई द्वारा आयोजित किया गया

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया, दक्षिण गुजरात के विभिन्न संगठनों ने अभिनंदन किया, समारोह में उनका जन्मदिन भी मनाया गया.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा १ फरवरी २०२४ गुरुवार को शाम ७:०० बजे प्लैटिनम हॉल, सरसाना, सूरत में सेवानिवृत्त पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर (आईपीएस) के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं पूर्व अध्यक्ष, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. किशोर चावड़ा और दक्षिण गुजरात के विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों ने पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर का सम्मान किया और इसी समारोह में उनका जन्मदिन भी मनाया गया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सूरत एक औद्योगिक शहर है, लेकिन कोविड-१९ के कठिन दौर में करीब १५ से २० लाख प्रवासी कामगार अपने वतन के लिए रवाना हो रहे थे, ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी पुलिस आयुक्त शहर में शांति बनाए रखने में सक्षम थे। लॉकडाउन अवधि के दौरान, सभी सावधानियों के साथ सूरत से विभिन्न उत्पादों का निर्यात करके सूरत के उद्योग को बनाए रखने में उनके प्रयासों से पूरे उद्योग को मदद मिली। सौम्य एवं प्रेमी स्वभाव के अजय कुमार तोमरजी ने मानवता एवं करुणा भाव से विभिन्न सामाजिक कार्य किये।

अजय कुमार तोमर सूरत को साइबर सुरक्षित बनाने के लिए 'तेरा तुझको अर्पण' कार्यक्रम, पुलिस स्टेशनों में रक्तदान शिविर, साइबर संजीवनी १.० और साइबर संजीवनी २.० जैसे कार्यक्रम आयोजित करके समाज के लिए उपयोगी रहे। वहीं दूसरी ओर संगठित अपराध की कमर तोड़ दी। उन्होंने युवा पीढ़ी को नशीली दवाओं के नुकसान से बचाने के लिए ड्रग्स को ना कहें अभियान चलाया और उनके नेतृत्व में सूरत सिटी पुलिस ने अब तक ३ करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की हैं। उन्होंने सूदखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सैकड़ों आरोपियों को गिरफ्तार किया है और लोगों को सूदखोरों के चंगुल से बचाया है।

पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे पिताजी की पढ़ने की प्रेरणा से ही मुझे पढ़ने की

प्रेरणा मिली और फिर मुझे किताबों से प्यार हो गया। पढ़ने के कारण ही मैं पुलिस कमिश्नर तक अपना करियर बना सका। मैंने दिल्ली, पंजाब समेत कई शहरों की यात्रा की है।' ज्यादातर शहरों से मेरी बहुत अच्छी बनती थी, लेकिन सूरत आने के बाद ही मुझे लगा कि मैं मूलत: सूरती हूं और हर जगह घूमता रहता हूं। सूरत में जो स्वीकृति दर देखी गई, वह कहीं नहीं है। सूरती सब कुछ स्वीकार करते हैं। फिर चाहे थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर हो या साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता। सूरत के लोगों ने हर चीज में मेरा साथ दिया है, इसलिए मुझे सूरत में काम करने में कभी थकान महसूस नहीं हुई।' सूरत में काम करते हुए मुझे सूरत की शख्सियत का एहसास हुआ कि सूरत के लोग कभी थकते नहीं, बस किसी को रुकने नहीं देते।

इजराइल के पास एक तरीका है। जो कोई व्यवसाय शुरू करता है और विफल हो जाता है, उसके लिए एक इंफ्रास्ट्रक्चर बैंक बनाया गया है। जिसके जरिए उन्हें बिजनेस को दोबारा खड़ा करने के लिए सपोर्ट दिया जाता है, लेकिन उससे पहले उनसे एक केस स्टडी कराई जाती है कि अगर आपका बिजनेस इजराइल में नहीं चलता है तो इसके पीछे की वजह क्या है? यह केस स्टडी तैयार करके सरकार को दी जाती है और फिर सरकार संबंधित व्यक्ति को व्यवसाय में वापस आने के लिए सहायता करती है। उन्होंने कहा कि कोरिया में इसे 'नुन्ची/नून्ची' कहा जाता है। इस कोरियाई अवधारणा के हिस्से के रूप में, जब आप बिना कुछ कहे कहीं जाते हैं, तो वहां क्या हो रहा है? इसे समझने के लिए अध्ययन किया जाता है। अब कोरियाई इस अवधारणा के आधार पर विश्व स्तरीय उत्पाद बनाते हैं, इसलिए मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि कोरियाई लोगों की खासियत क्या है।

सूरत शहर पुलिस ने डकैती, छापेमारी, हत्या, हत्या के प्रयास जैसे अपराधों का पता लगाने में ९९ प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की है। गुजरात ही नहीं बल्कि भारत में सूरत जितनी सुरक्षित कोई जगह नहीं होगी। लंदन में पांच लाख से ज्यादा कैमरे हैं, जबकि सूरत शहर में करीब २६,००० कैमरे हैं। डकैती, चोरी, हत्या जैसे अपराधों का पता लगाने में सूरत पुलिस न्यूयॉर्क, लंदन और पेरिस से भी आगे है। अपराध नियंत्रण, अपराध का पता लगाने और आम नागरिक की सुरक्षा में सूरत पुलिस विश्व में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि सूरत पुलिस के प्रति लोगों का नजरिया बदल गया है.

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि सूरत में सिंथेटिक कपड़े और हीरे बहुत अच्छे से बनते हैं, लेकिन दुनिया अब किस दिशा में जा रही है, इसके बारे में सूरत के उद्योगपतियों और व्यापारियों को सोचने की जरूरत है।

अब से पाँच से दस साल बाद अमेरिकी और यूरोपीय बाज़ार कैसे होंगे? इस पर फोकस करना होगा। सूरत के उद्यमी विश्व स्तर पर पहुंचने की शुरुआत कर चुके हैं लेकिन उन्हें जल्द ही इस मुकाम तक पहुंचना होगा।